INS ACCREDITED
यूंनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-158 | सांध्य दैनिक | मथुरा, सोमवार, 3 अगस्त 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

बांके बिहारी क्षेत्र के सर्वांगीण विकास का खाका तैयार, 25 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट में जवाब

बांके बिहारी धाम में श्रद्धालुओं को मिलेंगी विश्वस्तरीय सुविधाएं

मंदिर क्षेत्र के सर्वांगीण विकास की तैयारी शुरू सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में बनेगा विकास मॉडल

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन स्थित बांके बिहारी मंदिर में प्रतिदिन और विशेष पर्वों पर उमड़ने वाली भारी भीड़ को देखते हुए श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और सुगम दर्शन व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने महत्वपूर्ण निर्देश दिए हैं। न्यायालय ने उत्तर प्रदेश सरकार से कहा है कि मंदिर परिसर और उसके आसपास श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक धर्मनिरपेक्ष (सेक्युलर) बुनियादी सुविधाओं के विकास में सक्रिय सहयोग दिया जाए। इन सुविधाओं के निर्माण के लिए आवश्यकता पड़ने पर भूमि अधिग्रहण भी किया जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद जिला प्रशासन और मंदिर प्रबंधन से संबंधित हाईपावर्ड कमेटी ने क्षेत्र के समग्र विकास का खाका तैयार करना शुरू कर दिया है। प्रशासन को इस संबंध में 25 अगस्त तक न्यायालय में विस्तृत जवाब और प्रस्तावित कार्ययोजना प्रस्तुत करनी है। यह मामला मुख्य रूप से बांके बिहारी मंदिर में लगातार बढ़ रही श्रद्धालुओं की संख्या, संकरी गलियों, भीड़ प्रबंधन की कठिनाइयों और पूर्व में हुई भगदड़ जैसी घटनाओं से जुड़ी सुरक्षित और व्यवस्थित दर्शन व्यवस्था विकसित करने से जुड़ा है। न्यायालय का उद्देश्य धार्मिक गतिविधियों में हस्तक्षेप करना नहीं, बल्कि श्रद्धालुओं को सुरक्षित वातावरण और आवश्यक नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

प्रस्तावित योजना के तहत मंदिर क्षेत्र में चौड़े और सुगम पहुंच मार्ग, व्यवस्थित प्रवेश और निकास द्वार, प्रतीक्षा स्थल, पेयजल व्यवस्था, सार्वजनिक शौचालय, चिकित्सा सहायता केंद्र, सुरक्षा नियंत्रण कक्ष, आपातकालीन निकासी मार्ग, पार्किंग, यातायात प्रबंधन, सीसीटीवी निगरानी और अग्निशमन जैसी सुविधाओं के विकास पर विचार किया जा रहा है। इसके साथ ही दिव्यांग, बुजुर्ग और महिला श्रद्धालुओं के लिए विशेष सुविधाएं विकसित करने की भी योजना है।

प्रशासन हाईपावर्ड कमेटी के सुझावों के आधार पर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर रहा है। यदि प्रस्ताव को न्यायालय की स्वीकृति मिलती है, तो बांके बिहारी मंदिर क्षेत्र का सुनियोजित और चरणबद्ध विकास किया जाएगा। इससे श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुविधाजनक और व्यवस्थित दर्शन का लाभ मिलेगा, वहीं वृंदावन की धार्मिक और पर्यटन व्यवस्था को भी नई दिशा मिलने की उम्मीद है। प्रशासन के सूत्रों का कहना है कि 25 अगस्त को इस प्रकरण में जवाब दाखिल होगा और प्रस्तावित कार्ययोजना प्रस्तुत की जाएगी।

मंगला आरती में 600 श्रद्धालुओं को ही मिलेगा प्रवेश

यूनिक समय, वृंदावन। ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में साल में एक बार होने वाली मंगला आरती के दर्शन के दौरान इस बार करीब छह सौ श्रद्धालुओं को प्रवेश मिलेगा। मंदिर की उच्चाधिकार प्राप्त प्रबंधन समिति की बैठक में पिछले वर्ष की व्यवस्था को ही इस वर्ष भी लागू रखने का निर्णय लिया गया है, ताकि श्रद्धालुओं की सुरक्षा-सुचारु व्यवस्था बनी रहे। गौरतलब है कि मंगला आरती के दर्शन करने को लेकर बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। यहां मंदिर जाने वाली प्रमुख रास्ते श्रद्धालुओं की भीड़ दिखाई देती है। अधिकांश श्रद्धालु तो श्रीकृष्ण जन्म स्थान से दर्शन करने के बाद ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर की ओर रूख करते हैं।

खाद्य सुरक्षा विभाग की बड़ी कार्रवाई

4100 किलो पेड़ा,मिल्क केक नष्ट

वृंदावन और बलदेव में छापेमारी

नौ नमूने जांच को भेजे गए प्रयोगशाला

यूनिक समय, मथुरा। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने वृंदावन और बलदेव क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से अस्वच्छ परिस्थितियों में भंडारित पेड़ा, मिल्क केक, खोआ और घेवर के नमूने लिए। कार्रवाई के दौरान करीब 4,100 किलोग्राम खाद्य सामग्री नष्ट कराई गई, जिसकी अनुमानित कीमत 6.27 लाख रुपये से अधिक बताई गई है।

मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी केके त्रिपाठी के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने वृंदावन के नियर बसेरा, बैकुंठ, मायावती फ्लैट सेक्टर-3, ब्लॉक-23 स्थित विष्णु अग्रवाल के मकान पर छापेमारी के दौरान पेड़ा के चार और मिल्क केक का एक नमूना लिया गया। जांच के दौरान खाद्य पदार्थ अस्वच्छ और अस्वास्थ्यकर परिस्थितियों में भंडारित मिले। साथ ही बोरों पर खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुसार, आवश्यक विवरण अंकित नहीं था। मौके पर लगभग 4,000 किलोग्राम पेड़ा और 100 किलोग्राम मिल्क केक, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 6.15 लाख रुपये थी, नष्ट कराया गया। सुनरख बांगर, वृंदावन में शिशुपाल उर्फ सतपाल के यहां से पेड़ा, मिल्क केक और खोआ का एक-एक नमूना लिया गया। यहां भी खाद्य पदार्थ अस्वच्छ परिस्थितियों में भंडारित पाए गए।

पेड़ा नष्ट कराते खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारी।

मौके पर लगभग 100 किलोग्राम पेड़ा, जिसकी अनुमानित कीमत 12 हजार रुपये थी, नष्ट कराया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी मोहर सिंह कुशवाह ने बलदेव स्थित हरपाल बाबा पेड़े वाले प्रतिष्ठान से घेवर का एक नमूना संग्रहित किया।

अभियान के दौरान कुल नौ खाद्य नमूने जांच के लिए राजकीय खाद्य प्रयोगशाला भेजे गए हैं। सहायक आयुक्त खाद्य जनिन कुमार सिंह ने बताया कि जांच रिपोर्ट आने के बाद संबंधित कारोबारियों के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत विधिक कार्रवाई की जाएगी। इस मौके पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी धर्मेंद्र सिंह, अरुण कुमार, जितेंद्र सिंह, राम नरेश, दिनेश कुमार भारती, रीना शर्मा और मोहर सिंह कुशवाह शामिल रहे।

शिलान्यास कार्यक्रम बना चर्चा

यूनिक समय, गोवर्धन। विधानसभा क्षेत्र के गांव जानूं में करीब ढाई करोड़ रुपये के विकास कार्यों के शिलान्यास कार्यक्रम को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। कार्यक्रम के दौरान मंच पर हरियाणा की डांसरों की प्रस्तुति का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल होने के बाद आयोजन की शैली पर सवाल उठाए जा रहे हैं। इंटरनेट मीडिया पर कई लोगों ने टिप्पणी करते हुए पूछा है कि विकास कार्यों के शिलान्यास के लिए समाज के सम्मानित नागरिकों, शिक्षकों, संतों या अन्य गणमान्य व्यक्तियों के बजाय मनोरंजन कार्यक्रम को प्राथमिकता क्यों दी गई। कुछ लोगों ने इसे सरकारी कार्यक्रमों की गरिमा से जोड़ते हुए आलोचना की है, जबकि कुछ ने वायरल वीडियो की सामग्री पर भी आपत्ति जताई है। हालांकि, इस मामले में कार्यक्रम के आयोजकों या संबंधित जनप्रतिनिधि की ओर से अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

नगर मजिस्ट्रेट और सीओ सिटी ने अधिकारियों के साथ किया मार्ग का निरीक्षण

कांवड़ यात्रा मार्ग पर बंद रहेंगी मांस और बिरयानी की दुकान

कांवड़ यात्रा मार्ग की जानकारी करते नगर मजिस्ट्रेट अनुपम कुमार मिश्र, साथ हैं सीओ सिटी आशना चौधरी।

सड़क मरम्मत, सफाई का देखा काम, बिजली खंभों पर देखे गए प्लास्टिक कवर

यूनिक समय, मथुरा। सावन की कांवड़ यात्रा को सकुशल, सुरक्षित और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस लगातार तैयारियों में जुटे हैं। सोमवार को नगर मजिस्ट्रेट अनुपम कुमार मिश्र और सीओ सिटी आशना चौधरी ने नगर निगम, लोक निर्माण विभाग, विद्युत विभाग और अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ कांवड़ यात्रा मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया। अधिकारियों ने सड़क मरम्मत, सफाई व्यवस्था और सुरक्षा संबंधी कार्यों का जायजा लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने यात्रा मार्ग पर चल रहे गड्ढा मरम्मत कार्य की गुणवत्ता की समीक्षा की और जहां-जहां कार्य अधूरा मिला, उसे शीघ्र पूरा कराने के निर्देश दिए। नगर निगम की टीम को पूरे मार्ग पर नियमित सफाई, कूड़ा उठान और नालियों की सफाई सुनिश्चित करने के लिए कहा गया, ताकि कांवड़ियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। सुरक्षा व्यवस्था के तहत विद्युत विभाग द्वारा बिजली के खंभों पर लगाए जा रहे प्लास्टिक कवर और अन्य सुरक्षा उपायों का भी निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने निर्देश दिए कि खुले तारों और विद्युत उपकरणों को पूरी तरह सुरक्षित किया जाए।

निरीक्षण के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों ने कांवड़ यात्रा मार्ग पर संचालित मांस, चिकन, मछली और चिकन बिरयानी सहित मांसाहारी खाद्य पदार्थों की दुकानों के संचालकों से भी बातचीत की। उन्हें समझाया गया कि धार्मिक भावनाओं और यात्रा की पवित्रता को देखते हुए यात्रा अवधि में इन दुकानों को बंद रखा जाए। अधिकांश दुकानदारों ने प्रशासन के निर्देशों का पालन करने का भरोसा दिया।

बार एसोसिएशन बना रही है वकीलों के लिए बेहतर योजना

बार एसोसिएशन सचिव ने बताई योजना अधिवक्ताओं के लिए होगा बैठने का पर्याप्त इंतजाम

यूनिक समय, मथुरा। कचहरी में जिस तरह वकीलों की संख्या में इजाफा हो रहा है। इसको लेकर बार एसोसिएशन चिंतित है। बार एसोसिएशन इसके लिए प्रयास कर रही है कि वकीलों को बैठने के लिए पर्याप्त व्यवस्था हो। इसके साथ ही एसोसिएशन की वकीलों के हित में काम करने की योजना है।

बार एसोसिएशन के सचिव मनोज कुमार शर्मा से आज यूनिक समय से बातचीत में खुलकर कर चर्चा हुई। सचिव का कहना है कि कचहरी में वकीलों की जिस तरह से संख्या हर साल बढ़ रही है, उसके चलते कचहरी परिसर में स्थान काफी कम है। इसके लिए बार ने डीएम और शासन को पत्र लिख कर कचहरी परिसर में खाली पड़ी जमीन पर वकीलों के चेंबर बनाने का प्रस्ताव भेजा है। कचहरी मार्ग पर लगने वाले जाम से निजात के लिए क्षेत्र में फ्लाईओवर बनाने का भी प्रस्ताव शासन को भेजा है। उन्होंने कहा कि सांसद हेमा मालिनी को भी पत्र लिख कर प्रयागराज से चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को मथुरा से चलाने की मांग की है। वंदे भारत ट्रेन से वकीलों और वादकारियों को प्रयागराज जाने में सहूलियत मिलेगी। उन्होंने यह भी बताया कि अदालतों में आने वाले वादकारियों के बैठने की व्यवस्था करने और अदालतों में एसी लगावए जाने को भी पत्राचार किया गया है।

बार कार्यालय में 350 नए वकील हुए रजिस्टर्ड

यूनिक समय मथुरा। बार एसोसिएशन कार्यालय में इस साल 350 अधिवक्ताओं ने अपना रजिस्ट्रेशन कराया है। नवागत वकील सीनियरों के बिस्तर पर न्यायालय में होने वाले कार्य की रुप रेखा और कानून की बारीकियों को सीख रहे हैं। बार एसोसिएशन में जहां पिछले साल दिसंबर 2025 तक पंजीकृत अधिवक्ताओं की संख्या 4 हजार 165 थी। वहीं इस साल 2026 में बढ़ कर 4 हजार 515 हो गई है।

सीनियरों से सीख रहे है नए वकील कानूनी गुर

यूनिक समय, मथुरा। इस साल वकालत करने के लिए नए 350 नए अधिवक्ता अपने सीनियर अधिवक्ताओं के चेंबर पर उन्हें गुरू बनाकर कोर्ट में प्रेक्टिस करने के गुर सीख रहे हैं। बातचीत के दौरान नए वकीलों के सामने आए विचार।

इस साल बार में रजिस्ट्रर्ड कराने वाले जूनियर अधिवक्ता रवि शर्मा ने बताया कि एक साल से वह अपने सीनियर एडवोकेट के चैंबर पर बैठना शुरू किया है। सीनियर अधिवक्ता कानून की बारीकियों को भी अच्छी तरह समझा रहे हैं। कानून का उद्देश्य प्रत्येक पीड़ित को न्याय दिलाना है। न्याय किसी विशेष व्यक्ति का नहीं है, न्याय हर व्यक्ति का संवैधानिक अधिकार है।

अरवेज आलम उर्फ आशू ने बताया कि वह एक साल से कचहरी में अपने सीनियर से व्यावहारिक अनुभव अर्जित कर रहा है। इस दौरान अधिवक्ताओं के सहयोग से कानून की प्रक्रिया को समझने और अपनी पेशवर परिपक्वता विकसित करने का अवसर मिला।

जूनियर अधिवक्ता आशुतोष ने बताया कि शुरुआत में कार्य को लेकर उसके मन में कई प्रश्न आ रहे थे, लेकिन वरिष्ठ अधिवक्ताओं के सहयोग से सारी चिंता दूर हो गई। इसके साथ ही निरंतर प्रगति हो रही है। कानून की प्रक्रिया और परिपक्वता में भी काफी वृद्धि हो रही है।

जूनियर अधिवक्ता राहुल सैनी का कहना है कि गांव से आने के बाद शुरुआत में कार्य को लेकर कुछ दिक्कत हुई। बाद में धीरे–धीरे सब ठीक होने लगा। वरिष्ठ अधिवकताओं के सहयोग और उनकी हौंसला अफजाही से काफी कुछ सीखने को मिल रहा है। इससे वकालत के पेशे में आत्म विश्वास बढ़ रहा है और सीखने की ललक बढ़ने लगी है।

अखंड दास पर हमला करने वाला साधु गिरफ्तार

हत्या के प्रयास में प्रयुक्त दो ईंट भी की बरामद

हत्या के प्रयास में गिरफ्तार साधु ।

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन पुलिस ने स्वामी राम अखंड दास की हत्या के प्रयास में वांछित चल रहे अभियुक्त को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार राजपुर में वेदांती आश्रम में स्वामी राम अखंड दास पर हुए जानलेवा हमले के मामले में पुलिस में दर्ज कराई गई रिपोर्ट में भगवानदास शिष्य श्याम सुंदरदास निवासी वरडीहा थाना लार जनपद देविया, ओमवीर, उमेश और 5–6 अज्ञात लोगों द्वारा किए गए हमले में इन लोगों ने उन्हें मारपीट कर गंभीर घायल कर दिया था। बीच बचाव में विष्णुदास के साथ भी इन लोगों ने मारपीट की थी। स्वामी हरी अखंडदास का आगरा में इलाज चल रहा है। पुलिस ने इस मामले में गुरूकुल स्कूल वृंदावन के खाली पड़े ग्राउंड से भगवानदास उर्फ भोला उर्फ प्रदीप कुमार शिष्य हरिनामदास निवासी भीमापारथाना सैदपुर तहसील सैदपुर जनपद गाजीपुर, वर्तमान निवासी बाबा देवराह जीव संतु धर्माथ आश्रम परिक्रमा मार्ग के पास वृंदावन को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अभियुक्त की निशानदेही पर हत्या के प्रयास में प्रयुक्त दो ईंट भी बरामद की है।

गलत ब्लड चढ़ाने का आरोप, नवजात की मौत, गर्भवती की हालत गंभीर

मुकदमा दर्ज करने को थाना रिफाइनरी पुलिस को दिया गया प्रार्थना पत्र

डॉक्टर, पैथोलॉजी लैब और ब्लड सेंटर के खिलाफ शिकायत, लापरवाही के आरोप

यूनिक समय, मथुरा। थाना रिफाइनरी क्षेत्र के गांव लाड़पुर निवासी आकाश ने अपनी गर्भवती पत्नी के उपचार में कथित चिकित्सीय लापरवाही का आरोप लगाते हुए थाना रिफाइनरी पुलिस को शिकायत दी है। शिकायत में एक चिकित्सक, पैथोलॉजी लैब और ब्लड सेंटर के संचालकों-कर्मचारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। प्रकरण में डीएम से भी शिकायत की गई है।

पीड़ित आकाश ने सोमवार को डीएम से शिकायत की। बताया कि 27 जुलाई को गर्भवती पत्नी अंजली, गांव की आशा कार्यकर्ता बबीता के साथ नियमित जांच के लिए महेंद्र नगर स्थित ध्रुव नर्सिंग होम एवं अल्ट्रासाउंड सेंटर पहुंचे। यहां चिकित्सक द्वारा जांच के बाद अंजली के रक्त की जांच कान्हा पैथोलॉजी लैब से कराई गई। रिपोर्ट में ब्लड ग्रुप बी पॉजिटिव बताया गया, जिसके आधार पर रक्त चढ़ाने की सलाह दी गई।

आकाश का आरोप है कि चिकित्सक के निर्देश पर बृज चैरिटेबल ब्लड सेंटर से 3,100 रुपये जमा कर रक्त लिया गया, जबकि उन्हें केवल 1,500 रुपये की रसीद दी गई। शिकायत में कहा गया है कि रक्त चढ़ाने के कुछ ही मिनट बाद अंजली की तबीयत अचानक बिगड़ने लगी। उपचार के बावजूद हालत में सुधार नहीं होने पर उन्हें दूसरे अस्पताल रेफर कर दिया गया। पीड़ित के अनुसार, नवादा स्थित सरकारी अस्पताल में भर्ती के दौरान अंजली ने मृत शिशु को जन्म दिया। इसके बाद उन्हें उपचार के लिए आगरा के पुष्पांजली अस्पताल ले जाया गया। वहां जांच में अंजली का ब्लड ग्रुप ओ पॉजिटिव बताया गया। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि पहले उन्हें बी पॉजिटिव रक्त चढ़ा दिया गया, जिससे गंभीर रिएक्शन हुआ और उनकी किडनी और लीवर प्रभावित हो गए। वर्तमान में उनकी हालत गंभीर बनी हुई है, लगातार डायलिसिस और रक्त चढ़ाने की आवश्यकता पड़ रही है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि चिकित्सक, पैथोलॉजी लैब और ब्लड सेंटर की कथित लापरवाही के कारण उसके नवजात की मौत हुई। पीड़ित ने डीएम से पूरे मामले की जांच करवाकर दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

पुलिस ने किया बाइक चोर को गिरफ्तार, बाइक बरामद

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन पुलिस ने एक युवक को चोरी की बाइक के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने चैकिंग के दौरान सौ फुटा पुल के नीचे से बाइक से जाते एक युवक को रोक कर बाइक के कागजात मांगे। युवक पुलिस को देख कर घबरा गया। युवक ने पूछताछ में अपना नाम आकाश उर्फ इंद्रजीत निवासी नगला कमाल थाना शेरगढ़ बताया। युवक ने बरामद बाइक को चोरी करने का इकबाल किया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

अवैध शराब बेचते युवक को दबोचा

यूनिक समय, मथुरा। कोतवाली थाना पुलिस ने रेलवे अस्पताल के पास एक युवक को गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से 20 टेट्रा पैक देशी शराब बरामद की गई। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम गोविंद सिंह लोधी निवासी जिला दमोह, मध्य प्रदेश बताया।

बाटी में महिला की हत्या और लूट करने वाला युवक गिरफ्तार

पुलिस से हुई मुठभेड़ में दोनों पैरों में लगी गोलियां

घटना में सहायता करने वाले माता-पिता भी गिरफ्तार

महिला की हत्या और लूट खुलासा की जानकारी देते एसएसपी श्लोक कुमार, एसपी सिटी राजीव कुमार और सीओ सिटी आशना चौधरी। दूसरे चित्र में अभियुक्तों से बरामद माल।

यूनिक समय, मथुरा। थाना जैंत के गांव बाटी में हुई महिला की हत्या के मामले में पुलिस ने एक अभियुक्त को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की गोली अभियुक्त के दोनों पैरों में लगी। घायल को सौ शय्या हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने लूट और महिला की हत्या में सहयोग करने वाले अभियुक्त के माता-पिता को गिरफ्तार कर लूट का सामान भी बरामद किया है।

इस बारे में एसएसपी श्लोक कुमार ने बताया कि 27-28 जुलाई की रात में बाटी गांव में एक मकान में महिला की धारदार हथियार से हत्या और घर में हुई लूट के मामले में पुलिस को भारी सफलता मिली है। एसएसपी ने बताया कि गांव बाटी निवासी विष्णु उर्फ लुक्का अपराधिक प्रवृत्ति का युवक है। उस पर गैंगरेप आदि के मुकदमे है। मृतका स्वंय सहायता समूह के माध्यम से गरीब महिलाओं को लोन दिलाने का काम करती थी। उसका पति अलीगढ़ में प्राईवेट चौकीदारी का काम करता है। उसके दोनों बेटे भी बाहर रहते हैं। विष्णु उर्फ लुक्का ने महिला के घर में काफी पैसा होने पर लूट की योजना बनाई। घटना वाले दिन महिला की मित्र सायं को अपने घर चली गई। बारिश होने के कारण लोग छतों के बजाय घरों में सो रहे थे। इस का फायदा उठा कर अभियुक्त ने छत के जरिए महिला के घर में प्रवेश किया और वहां नकदी आदि को तलाश किया। इसी दौरान महिला के जाग जाने पर अभियुक्त ने उसका मुंह दबाकर धारदार हथियार से उसके शरीर और गर्दन पर प्रहार किए और पहने हुए जेवरात उतार लिए। महिला के मुंह पर तकिया रख कर आरोपित घर से अन्य सामान लेकर छत के रास्ते से घर लौट गया।

एसएसपी के अनुसार, इस दौरान उसके माता- पिता चौकीदारी कर रहे थे। उन्होंने लूट का सामान छिपा दिया। पुलिस विष्णु उर्फ लुक्का की तलाश कर रही थी। पुलिस को सूचना मिली की वह गांव बाटी से मघेरा जाने वाले रास्ते से होकर लुक्का जा रहा है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार करने का प्रयास किया। इस पर उसने पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस द्वारा की गई जवाबी फायरिंग में अभियुक्त के दौनों पैरों में गोलियां लगी। घायल को अस्पताल में भर्ती करा दिया। इस मामले में पुलिस ने अभियुक्त के पिता हर प्रसाद और मां को भी गिरफ्तार कर लिया। इन लोगों से बरामद किए गए सामान को मृतका के पुत्र ने पहचान लिया।

कैफे में आग से मची अफरा तफरी, हादसा टला

गोवर्धन चौराहे के समीप सुबह हुई थी यह घटना एसी में शॉर्ट सर्किट मानी जा रही वजह

कैफे में आग पर काबू पाने का जतन करते फायरकर्मी।

यूनिक समय, मथुरा। कोतवाली क्षेत्र स्थित गोवर्धन चौराहे के समीप सोमवार सुबह एक कैफे में अचानक आग लगने से अफरातफरी मच गई। कैफे में मौजूद लोगों ने समय रहते बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। स्थानीय लोग, आसपास के होटल- दुकानों के कर्मचारियों और दमकल कर्मियों की तत्परता से आग पर जल्द ही काबू पा लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

जानकारी के अनुसार, गोवर्धन चौराहे के पास संचालित किंग एंड क्वीन कैफे के मुख्य गेट पर लगे एसी के आउटडोर यूनिट में सुबह करीब 11 बजे अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और कैफे के भीतर फैलने लगी। कुछ ही देर में पूरे परिसर में धुआं भर गया, जिससे वहां मौजूद लोगों में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। सभी लोग किसी तरह बाहर निकल आए।

घटना की सूचना मिलते ही आसपास के होटल और दुकानों के कर्मचारियों ने तत्काल आग बुझाने का प्रयास शुरू कर दिया। वहीं सूचना पर दमकल विभाग की गाड़ियां और पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। दमकल कर्मियों ने कैफे के अंदर प्रवेश कर खिड़कियों के शीशे तोड़कर आग पर काबू पाने का अभियान चलाया। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पा लिया गया। गनीमत रही कि घटना के समय कैफे में अधिक भीड़ नहीं थी। यदि उस समय ग्राहकों की संख्या ज्यादा होती तो बड़ा हादसा हो सकता था। प्रारंभिक तौर पर आग लगने का कारण एसी के आउटडोर यूनिट में शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। हालांकि, पुलिस और दमकल विभाग मामले की जांच में जुटे हैं।

गोवर्धन में दो अवैध कॉलोनियों पर चला विप्रा का बुलडोजर

अवैध कॉलोनियों पर कार्रवाई करता विप्रा का बुलडोजर।

एमबीडीए ने की ध्वस्तीकरण की कार्रवाई

न्यायालय के आदेश के बाद ध्वस्त किए निर्माण

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा–वृंदावन विकास प्राधिकरण ने गोवर्धन क्षेत्र में विकसित की जा रही दो अनाधिकृत कॉलोनियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए ध्वस्तीकरण अभियान चलाया। यह कार्रवाई उपाध्यक्ष के निर्देशन में सचिव के नेतृत्व में प्राधिकरण की प्रवर्तन टीम ने थाना गोवर्धन पुलिस के सहयोग से की।

कार्रवाई छटीकरा रोड से बरसाना बाईपास मार्ग पर की गई। यहां सुरेश जोशी द्वारा करीब 10 हजार वर्गमीटर क्षेत्र में सड़क बनाकर अवैध कॉलोनी विकसित की जा रही थी। सुनवाई के बाद 22 जून को ध्वस्तीकरण का आदेश पारित किया गया था। साथ ही मुखराई से नगला पहलवरिया रोड गोवर्धन पर भी जेसीबी चली, यहां विजय सिंह द्वारा करीब 12 हजार वर्गमीटर क्षेत्र में सड़क और गेट का निर्माण कर अनाधिकृत कॉलोनी विकसित की जा रही थी। इस मामले में भी अधिनियम के तहत वाद दर्ज कर 22 जून को ध्वस्तीकरण का आदेश जारी किया गया था। प्राधिकरण द्वारा निर्धारित समय सीमा दिए जाने के बावजूद दोनों विकासकर्ताओं ने अवैध निर्माण नहीं हटाए।

वृंदावन में मारपीट और तोड़फोड़, कई लोग घायल

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन कोतवाली क्षेत्र में पारिवारिक विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। पीड़ित द्वारा दर्ज कराई गई एफआइआर के अनुसार, उसके छोटे भाई की शादी छह फरवरी 2023 को अनुराधा से हुई थी। आरोप है कि शादी के बाद से अनुराधा और उसकी भाभी सोनिया द्वारा मायके पक्ष के लोगों को बुलाकर कई बार विवाद और मारपीट की घटनाएं कराई गईं।

शिकायत के अनुसार, बीती आठ मई को शाम करीब 5:30 बजे पीड़ित अपने सास–ससुर के साथ मौजूद था, तभी अनुराधा, सोनिया और उनके साथ आए कई लोगों ने घर पहुंचकर गाली–गलौज शुरू कर दी। आरोप है कि आरोपितों ने घर में तोड़फोड़ की और विरोध करने पर पीड़ित, उसकी बहन गीता और अन्य पर हमला कर दिया। पुलिस को दी तहरीर में दावा किया गया है कि एक महिला ने पीड़ित को कई जगह काट लिया, जबकि उसकी बहन के गाल पर भी दांत से काटने का आरोप लगाया गया है। इसके अलावा लात–घूंसों और रॉड से मारपीट कर गंभीर घायल करने, जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है। पीड़ित का कहना है कि शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और बीच–बचाव कर मामला शांत कराया। घटना के कुछ वीडियो और फोटो होने का भी दावा किया गया है। पीड़ित ने वृंदावन कोतवाली में नामजद आरोपितों के खिलाफ शिकायत देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

468 ग्राम गांजे के साथ एक गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। थाना जैंत पुलिस ने एक अभियुक्त को 468 ग्राम अवैध गांजे के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रामताल रोड से देवी आटस जाने वाले रजवाह की पटरी के समीप से अभियुक्त मनीष निवासी कुम्हार मौहल्ला जैंत को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से 468 ग्राम अवैध गांजा बरामद कर उसके खिलाफ एनडीपीसी एक्ट में कार्रवाई की है।

महिला के घर पर की गाली–गलौज, फैंके पत्थर

यूनिक समय,कोसीकलां। थाना क्षेत्र के गांव बठैनकलां में पड़ोसियों पर गाली–गलौज, घर पर पथराव और अवैध हथियार से जान से मारने की धमकी देने का आरोप में तहरीर दी गई है। पीड़ित परिवार के अनुसार, रविवार रात करीब 12 बजे घर में महिलाएं और बच्चे अकेले थे। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाले संतोष पंडित ने शराब के नशे में घर के बाहर खड़े होकर गाली–गलौज शुरू कर दी। आरोप है कि उन्होंने घर पर ईंट–पत्थर फेंके और अवैध हथियार दिखाकर परिवार को जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित परिवार ने तहरीर में कहा गया कि ये लोग पहले भी कई बार मारपीट और गाली–गलौज कर चुके हैं। सोमवार की सुबह भी उनके साथ अभद्रता की गई। पीड़िता का कहना है कि ये लोग अवैध हथियार भी रखते हैं। पीड़िता ने पुलिस से निष्पक्ष जांच कर आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

शिवालयों की देहरी पर गूंजे हर-हर महादेव के जयकारे

वृंदावन स्थित गोपेश्वर महादेव की पूजा करते श्रद्धालु।

गर्तेश्वर महादेव- पूर्वी क्षेत्रपाल

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा में यह मंदिर कृष्ण जन्मभूमि के पीछे मल्लपुरा में स्थित है। यह मथुरा का प्राचीन मंदिर है। इन्हें पूर्वी सीमा का क्षेत्रपाल और पशुपतिनाथ का स्वरूप माना जाता है। ऐसा विश्वास है कि यहां लगातार 41 दिन तक दीपक जलाने से भक्तों की मनोकामनाएं पूरी होती हैं। बोलचाल में इसे गर्तेश्वर महादेव भी कहते हैं। यहां भगवान शिव वैदिक, योगिक, तांत्रिक और पौराणिक चारों रूपों में विराजमान हैं। सावन माह के अलावा महाशिवरात्रि पर श्रद्धा का अतिरेक बनता है, नित्य भी काफी श्रद्धाल यहां आते हैं।

सावन के पहले सोमवार को श्रद्धालुओं को दर्शन देते गर्तेश्वर महादेव और माता पार्वती।

गोकर्णनाथ महादेव-शिवभक्तों की आस्था

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा के प्राचीन और प्रमुख शिवालयों में शामिल गोकर्णनाथ महादेव मंदिर सावन माह में शिवभक्तों की आस्था का प्रमुख केंद्र बना रहता है। इस मंदिर की स्थापना महर्षि गोकर्ण ने स्वयं शिवलिंग स्थापित कर की थी। शहर के उत्तरी भाग में स्थित यह मंदिर मथुरा के चार प्रमुख महादेव मंदिरों में गिना जाता है। सावन, महाशिवरात्रि और अक्षय तृतीया पर यहां हजारों श्रद्धालु जलाभिषेक और रुद्राभिषेक के लिए पहुंचते हैं। मंदिर में भगवान शिव के साथ गोकर्ण ऋषि की प्रतिमा भी श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है।

सावन के पहले सोमवार पर महादेव की आराधना में डूबा ब्रज

शिवालयों में उमड़ा आस्था का सैलाब

यूनिक समय, मथुरा। पवित्र श्रावण मास के पहले सोमवार को संपूर्ण ब्रज क्षेत्र भगवान शिव की भक्ति में सराबोर नजर आया। सुबह ब्रह्म मुहूर्त से ही शहर, कस्बों और गांवों के शिवालयों में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग गईं। मंदिरों की देहरी पर दिनभर हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष गूंजते रहे, जिससे पूरा वातावरण शिवमय हो गया। धार्मिक गीत- भजन से वातावरण महकता रहा। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से भगवान शिव का जलाभिषेक और दुग्धाभिषेक किया।

भूतेश्वर महादेव के अभिषेक को जाते श्रद्धालु।

शिवलिंग पर गंगाजल, बेलपत्र, धतूरा, भांग, पुष्प, चंदन, फल और अन्य पूजन सामग्री अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि और विश्व कल्याण की कामना की। बड़ी संख्या में कांवड़िए विभिन्न गंगाघाटों से लाया गया पवित्र गंगाजल लेकर मंदिरों में पहुंचे और श्रद्धाभाव से महादेव का अभिषेक किया।

मथुरा, गोवर्धन, बलदेव, छाता, कोसीकलां, राया, मांट और फरह, गोकुल,बरसाना, नंदगांव और अन्य क्षेत्रों के प्रमुख शिवालयों में सुबह से देर शाम तक श्रद्धालुओं की भीड़ बनी रही। मंदिरों में भजन-कीर्तन, रुद्राभिषेक और शिव महिमा के धार्मिक आयोजनों से भक्तिमय वातावरण बना रहा। महिलाओं, युवाओं और बच्चों ने भी पूरे उत्साह के साथ पूजा-अर्चना में भाग लिया। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को देखते हुए मंदिरों के बाहर पुलिस बल तैनात रहा। कई स्थानों पर स्वयंसेवकों ने दर्शन व्यवस्था संभाली और पेयजल और प्रसाद वितरण की व्यवस्था भी की गई।

सावन के पहले सोमवार पर उमड़ी आस्था ने पूरे ब्रज को शिवभक्ति के रंग में रंग दिया। दिनभर शिवालयों में भक्तों का तांता लगा रहा और भगवान भोलेनाथ के जयकारों से वातावरण गुंजायमान होता रहा। श्रद्धालुओं ने मनोकामनाओं की पूर्ति और सुख-शांति की प्रार्थना करते हुए महादेव का आशीर्वाद प्राप्त किया।

वृंदावन के गोपेश्वर महादेव मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब

यूनिक समय, वृंदावन। सावन के पहले सोमवार पर प्राचीन गोपेश्वर महादेव मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। भगवान शिव के जलाभिषेक और दर्शन के लिए भक्त भोर से ही मंदिर पहुंचने लगे। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजन किया। दूर-दराज के क्षेत्रों से आए भक्तों ने भी लंबी कतारों में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार किया। रंगजी पर वाहन रोकने की वजह से श्रद्धालुओं को मंदिर पर पैदल चलना पड़ा। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुसिल तैनात रही।

सावन के प्रथम सोमवार को संध्या श्रृंगार-अभिषेक के दर्शन देते भूतेश्वर महादेव।

गुलाबी हिंडोले में विराजमान हुए राजाधिराज

गुलाबी हिंडोले में दर्शन देते ठाकुर द्वारकाधीश।

यूनिक समय, मथुरा। सावन मास में श्री ठाकुर द्वारकाधीश मंदिर में आयोजित हिंडोला उत्सव के तहत सोमवार को राजाधिराज भगवान द्वारकाधीश ने गुलाबी हिंडोले में विराजमान होकर भक्तों को दर्शन दिए। मंदिर में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी और पूरा परिसर भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा। मंदिर के मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी ने बताया कि मंदिर के सभी धार्मिक कार्यक्रमों का निर्धारण मंदिर के गोस्वामी डॉ. वागीश कुमार (कांकरोली नरेश, तृतीय पीठ) के निर्देशन में किया जाता है। उन्होंने बताया कि उसी परंपरा के अनुसार सावन मास के पांचवें दिन ठाकुर जी को गुलाबी हिंडोले में विराजमान कराया गया। उन्होंने बताया कि कल सायं 5:10 बजे से 5:40 बजे तक ठाकुर जी महाराज हरे हिंडोले में विराजमान होकर भक्तों को दर्शन देंगे।

34 दिन की कांवड़ यात्रा पूरी कर कंचन ने किया जलभिषेक

कंचन सिंह का स्वागत करते ग्रामीण।

यूनिक समय, मथुरा। श्रावण मास में सुरीर निवासी कंचन सिंह उर्फ फौजी ने आस्था, श्रद्धा और संकल्प का अनूठा परिचय दिया। हरिद्वार और केदारनाथ से पवित्र गंगाजल लेकर 34 दिन की कठिन पैदल कांवड़ यात्रा कर गांव आए। सोमवार को सुरीर बस स्टैंड स्थित देवी मंदिर पहुंचे, जहां स्थानीय श्रद्धालुओं-ग्रामीणों ने उनका पुष्पवर्षा और माल्यार्पण कर स्वागत किया। इसके बाद देवी मंदिर से कांवड़ यात्रा प्रारंभ हुई, जो नया बाजार, डाकघर मार्ग से होते हुए सुरीर कला स्थित स्वयंभू वनखंडी महादेव मंदिर पहुंची। यहां वैदिक मंत्रोच्चार-विधि-विधान के साथ भगवान भोलेनाथ का पवित्र गंगाजल से जलभिषेक किया गया। यात्रा में शिवभक्तों ने डीजे पर शिव भजनों की धुन पर श्रद्धालु नृत्य करते हुए "बम-बम भोले" और "हर-हर महादेव" के जयकारे लगाते रहे।

ट्रेन से नंदी कटा, 12 मिनट खड़ी रही गाड़ी

यूनिक समय मथुरा। मथुरा- कासगंज रेलवे खंड पर सोनई रेलवे स्टेशन के समीप एक गौवंश ट्रेन की चपेट में आकर कट गया। इसके चलते ट्रेन 12 मिनट तक खड़ी रही। कासगंज से भरतपुर के लिए जा रही सवारी गाड़ी संख्या 55331 सोनई रेलवे स्टेशन के समीप गेट संख्या 331 पर ट्रेन की चपेट में आकर एक नंदी की मृत्यु हो गई। बताया गया कि नंदी का शरीर इंजन के नीचे फंस गया, जिसे रेलवे के कर्मचारियों ने निकाला। स्टेशन मास्टर अशोक कुमार ने बताया कि इसके कारण ट्रेन को 12 मिनट तक रुकना पड़ा। नंदी के शरीर के हिस्सों को निकालने के बाद ही ट्रेन को रवाना किया गया। इसके चलते गेट नंबर 331 को बंद करना पड़ा। इसके कारण ट्रैफिक को परेशानी हुई।

PUBLIC NOTICE

"Notice is hereby given that I, MARCELA MARCONI RIPA also known by name MANJULALI DASI D/O Reynaldo Marconi Ojeda Resident of Room no 1, Gopinath Bhawan, Parikrama Marg, Vrindavan Distt- Mathura, P.C-281121 (U.P.) is applying to The Secretary Government of India, Ministry of Home Affairs, NEW DELHI, for naturalization and that any person who knows any reason why naturalization should not be granted, send written signed statement of facts to said Secretary".

डीएम-एसएसपी ने कांवड़ मार्ग और चिंताहरण महादेव मंदिर का किया निरीक्षण

यूनिक समय, मथुरा। श्रावण माह और सावन के प्रथम सोमवार पर डीएम चंद्र प्रकाश सिंह और एसएसपी श्लोक कुमार ने चिंताहरण महादेव मंदिर सहित कांवड़ यात्रा मार्ग का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने मंदिर परिसर में आवागमन मार्ग, होल्डिंग एरिया, बैरिकेडिंग, सीसीटीवी निगरानी और भीड़ नियंत्रण व्यवस्था का निरीक्षण किया, श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान दोनों अधिकारियों ने मंदिर के निकट स्थित घाट का भी जायजा लिया और सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। डीएम ने दुकानदारों-मिष्ठान विक्रेताओं से गुणवत्तायुक्त खाद्य सामग्री का उपयोग करने की अपील की और संबंधित अधिकारियों को नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा, स्वास्थ्य और सुविधाओं को लेकर अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश।

इसके बाद डीएम और एसएसपी ने कृष्णापुरी तिराहा, लक्ष्मी नगर, लक्ष्मी नगर तिराहा, यमुना एक्सप्रेस-वे राया कट, बिचपुरी चौकी से अलीगढ़ बॉर्डर तक कांवड़ यात्रा मार्ग का निरीक्षण किया। उन्होंने स्वास्थ्य शिविर, एंबुलेंस, पेयजल, मोबाइल शौचालय, साफ-सफाई, यातायात, सीसीटीवी, प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा प्रबंधों की समीक्षा की।

डीएम ने सड़कें गड्ढामुक्त रखने, पेड़ों की छंटाई, अस्पतालों में बेड आरक्षित रखने, ड्रोन से निगरानी और संवेदनशील स्थलों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करने के निर्देश दिए। एसएसपी ने कांवड़ मार्ग पर नियमित पैदल गश्त, सुचारु यातायात और इंटरनेट मीडिया पर सतत निगरानी के निर्देश दिए। इस दौरान एसडीएम महावन प्राजक्ता त्रिपाठी, एसडीएम मांट चंद्रभूषण प्रताप, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग गुलवीर सिंह, सीओ संजीव कुमार राय सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

सूचना

मैं अपूर्वा सक्सैना पुत्र श्री सुबोध सक्सैना नि0 पी-37, सुनरख बांगर, राधा फ्लोरेंस, वृन्दावन तह0 जिला मथुरा मेरे बेटे का नाम उसके जन्म प्रमाण पत्र में तथा अन्य दस्तावेजों में आरव सक्सैना (AARAV SAXENA) की जगह आरव (AARAV) दर्ज है, जो की अधूरा है, अब से मेरे बेटे को भविष्य के सभी कामों के लिए उसके पूरे नाम आरव सक्सैना (AARAV SAXENA) के नाम से लिखा, पढ़ा एवं जाना जाए।

भारत वैश्विक पशुधन विकास का प्रमुख प्रेरक बनेगा : हागीवारा

दुवासु परिवार के साथ संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन के भारत प्रतिनिधि ताकायुकी हागीवारा (मध्य में)।

दुवासू में एफएओ के भारत प्रतिनिधि ने सतत पशुधन विकास पर रखा वैश्विक दृष्टिकोण

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो–अनुसंधान संस्थान (दुवासू) में सोमवार को आयोजित अंतरराष्ट्रीय अकादमिक संवाद-आमंत्रित व्याख्यान में संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) के भारत प्रतिनिधि ताकायुकी हागीवारा ने कहा कि भारत सतत कृषि, खाद्य प्रणालियों और पशुधन विकास के क्षेत्र में विश्व का प्रमुख प्रेरक बनने की क्षमता रखता है। उन्होंने कहा कि भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, वैज्ञानिक सोच और नवाचार की क्षमता वैश्विक चुनौतियों के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

कुलपति डॉ. अभिजित मित्र के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम का विषय भारतीय परिप्रेक्ष्य में पशुधन क्षेत्र का भविष्य- एफएओ का दृष्टिकोण" रहा। इसमें विश्वविद्यालय के शिक्षक, वैज्ञानिक, शोधार्थी, स्नातक और स्नातकोत्तर विद्यार्थी, इंटर्न और अन्य हितधारकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। अपने व्याख्यान में हागीवारा ने कहा कि पशुधन क्षेत्र खाद्य-पोषण सुरक्षा, ग्रामीण रोजगार और सतत कृषि विकास की मजबूत आधारशिला है। उन्होंने वैज्ञानिक निर्णय प्रणाली, जलवायु–अनुकूल उत्पादन तकनीकों, आधुनिक नवाचारों और विश्वविद्यालयों, सरकारों, उद्योगों और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के बीच मजबूत साझेदारी को भविष्य के विकास की कुंजी बताया।

व्याख्यान के दौरान विद्यार्थियों और शोधार्थियों ने वैश्विक पशुधन विकास, आधुनिक तकनीकों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग से जुड़े विषयों पर प्रश्न पूछे, जिनका उन्होंने विस्तार से उत्तर दिया। उन्होंने ज्ञान के आदान–प्रदान और वैश्विक सहयोग को समय की आवश्यकता बताया। कुलपति डॉ. अभिजित मित्र ने कहा कि ऐसे अंतरराष्ट्रीय अकादमिक कार्यक्रम विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं को वैश्विक दृष्टिकोण प्रदान करते हैं और विश्वविद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को नई दिशा देते हैं।

बीएसए इंजीनियरिंग कॉलेज के चार विद्यार्थियों का एआई कंपनी में चयन

चयनित छात्र–छात्राएं।

यूनिक समय, मथुरा। बीएसए कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, मथुरा के बीटेक. (सीएसई) विभाग के विद्यार्थियों ने ब्लू पैरेट वेचर्स प्राइवेट लिमिटेड, गुरुग्राम में चयनित होकर संस्थान का नाम गौरवान्वित किया है। यह कंपनी भारत की सबसे तेज़ी से बढ़ती आर्टिफिशल इंटेलीजेंस कंपनियों में से एक, जो वैश्विक स्तर पर उद्यमों और सरकारी संगठनों के लिए उन्नत एआई और जेनरेटिव एआई समाधानों में विशेषज्ञता रहती है।

चयनित विद्यार्थियों में चैतन्य मित्तल, दिव्यांशी सारस्वत, रजत और शिल्पा अग्रवाल ने कॉलेज का नाम रोशन किया है। ये विद्यार्थी बीटेक. (सीएसई) पाठ्यक्रम के छात्र–छात्राएं हैं, जिन्होंने अपनी मेहनत, लगन और शैक्षणिक उत्कृष्टता के बल पर यह उपलब्धि हासिल की है।

संस्थान के चेयरमैन एडवोकेट उमाशंकर अग्रवाल ने चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा, आज का आर्टिफिशल इंटेलीजेंस क्षेत्र युवाओं के लिए असीम संभावनाओं से परिपूर्ण है। हमें विश्वास है कि हमारे विद्यार्थी अपने ज्ञान, अनुशासन और कार्यकुशलता से राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे। संस्थान के वाइस चेयरमैन इं० नितिन मित्तल, निदेशक प्रो. श्याम सुन्दर अग्रवाल, विभागाध्यक्ष डॉ. दुर्गा पूजा और टीएनपी विभागाध्यक्ष अमित अग्रवाल ने छात्र–छात्राओं के चयन होने पर बधाई देते हुए कहा कि यह चयन अन्य छात्रों के लिए प्रेरणा है। निरंतर प्रयास और सही मार्गदर्शन से हर छात्र अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है।

मूल विद्यालय वापसी और स्थानांतरण की मांग को लेकर शिक्षामित्रों ने दिया धरना

बीएसए कार्यालय पर मूल विद्यालय वापिसी,स्थानांतरण की मांग को लेकर धरना–प्रदर्शन करते शिक्षामित्र।

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षामित्र संघ के बैनर तले सोमवार को सैकड़ों शिक्षामित्रों ने मूल विद्यालय वापसी और स्थानांतरण की मांग को लेकर बीएसए कार्यालय पर धरना–प्रदर्शन शुरू किया। जिलाध्यक्ष खेमसिंह चौधरी ने कहा कि जब तक उनकी मांगों पर लिखित आश्वासन नहीं दिया जाएगा, तब तक उनका दिन–रात चलने वाला अनिश्चितकालीन धरना जारी रहेगा। शिक्षा अधिकारी दिनेश चंद त्रिपाठी ने शिक्षामित्रों से बात कर उन्होंने कहा कि बीएसए जनपद से बाहर हैं और उनके लौटते ही मूल विद्यालय वापसी और स्थानांतरण की प्रक्रिया पूरी कराई जाएगी। धरना–प्रदर्शन में दीपक गुप्ता, मुंशिफ अली, रामकुमार, योगेंद्र सिंह, तेजवीर सिंह, प्रहलाद सिंह, रामवीर सिंह छोंकर, शिवकुमार शर्मा, अनिता चतुर्वेदी, पीताम्बर चौधरी,भगवान सिंह, सविता डागर, गुंजन शर्मा, कविता, हेमा, लक्ष्मी यादव, मंजू, भूपेंद्री, पुष्पेंद्र, नरदेव, सतीश कुमार, राजवीर सिंह, देवी सिंह, रीना, सुनीता, मीना देवी सहित सैकड़ों शिक्षामित्र उपस्थित रहे।

श्री बृज आदर्श कन्या इंटर कॉलेज का होगा कायाकल्प

यूनिक समय, मांट। श्री बृज आदर्श कन्या इंटर कॉलेज में शिक्षा अलंकार न्यास की प्रेरणा से जल्द ही कायाकल्प होने जा रहा है। न्यास की पहल पर विभिन्न समाजसेवी संस्थाओं और दानदाताओं के सहयोग से कॉलेज में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार, आधुनिकीकरण और सौंदर्यीकरण के लिए कई करोड़ रुपये के विकास कार्य कराए जाएंगे। आठ अगस्त को विद्यालय परिसर में इन विकास कार्यों के लोकार्पण, नए निर्माण कार्यों के शिलान्यास का कार्यक्रम होगा।

कॉलेज प्रबंधक पद्म सिंह शर्मा ने बताया कि कन्या इंटर कॉलेज को आधुनिक सुविधाओं से लैस करने के लिए उद्योगपतियों और समाजसेवियों ने हाथ बढ़ाया है। आठ अगस्त को आयोजित होने वाले कार्यक्रम में लोकार्पण के साथ–साथ नए भवनों की आधारशिला भी रखी जाएगी। इसमें विधायक निधि से बनने वाले एक कक्ष, सांसद निधि से स्वीकृत दो कक्षों और सुमेधा अय्यर की निधि से प्रस्तावित दो अन्य कक्षों का शिलान्यास शामिल है।

कार्यक्रम के अतिथि बृज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजा कांत मिश्रा होंगे। विधायक राजेश चौधरी भी मौजूद रहेंगे। ?वार्ता में पूर्व प्रमुख ठाकुर सुखबीर सिंह, ठाकुर केहरी सिंह, सत्येंद्र प्रकाश उपाध्याय और विजेंद्रपाल सिंह आदि उपस्थित थे।

साइबर अपराधी गिरफ्तार, नशीला पाउडर भी मिला

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन पुलिस ने एक साइबर अपराधी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से मोबाइल, तीन फर्जी सिम और 130 ग्राम नशीला पाउडर भी बरामद किया है। पुलिस ने साइबर अपराध करन वाले साइबर अपराधी रोबिन निवासी देवसेरस को एक सूचना के आधार पर गांठौली-देवसेरस रजवाह की पटरी से गिरफ्तार किया है। पुलिस को उसके कब्जे से मोबाइल, तीन सिम और 130 ग्राम नशीला पाउडर एल्प्राजोलम भी बरामद हुआ है।

हंसता आईना

राजीव एकेडमी के तीन एमबीए छात्रों को 6.5 लाख वार्षिक पैकेज

कॉरिजो एडुटेक प्राइवेट लिमिटेड में बिजनेस ऑपरेशंस एग्जीक्यूटिव पद पर हुआ चयन

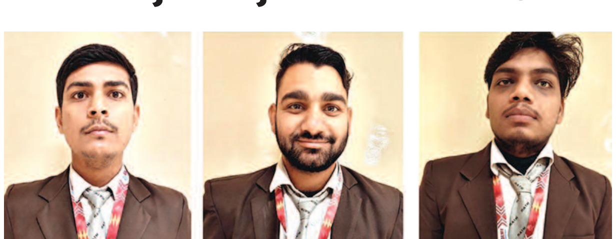

कॉरिजो एडुटेक प्राइवेट लिमिटेड में बिजनेस ऑपरेशंस एग्जीक्यूटिव के पद पर चयनित राजीव एकेडमी के विद्यार्थी।

यूनिक समय, मथुरा। राजीव एकेडमी फॉर टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, मथुरा के एमबीए बैच 2025-27 के तीन छात्रों ने प्रतिष्ठित कंपनी कॉरिजो एडुटेक प्राइवेट लिमिटेड में चयनित होकर संस्थान का गौरव बढ़ाया है। मयंक मिश्रा, मनीष कौशिक और यश अग्रवाल का चयन बिजनेस ऑपरेशंस एग्जीक्यूटिव पद पर हुआ है। चयनित विद्यार्थियों को 6.5 लाख रुपये वार्षिक वेतन पैकेज प्रदान किया गया है। इस उपलब्धि से संस्थान में खुशी का माहौल है।

तीनों विद्यार्थी एमबीए वर्ष 2027 बैच के हैं, उन्होंने हाल ही में कंपनी में अपना औद्योगिक प्रशिक्षण (इंटर्नशिप) सफलतापूर्वक पूरा किया। प्रशिक्षण के दौरान उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन, व्यावसायिक दक्षता और कार्यकुशलता से प्रभावित होकर कंपनी ने उन्हें अंतिम प्लेसमेंट का अवसर प्रदान किया। इसे विद्यार्थियों की मेहनत और संस्थान की उद्योगोन्मुख शिक्षा का परिणाम माना जा रहा है।

संस्थान के निदेशक डॉ. अमर कुमार सक्सेना ने कहा कि राजीव एकेडमी विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप प्रशिक्षण, व्यक्तित्व विकास और बेहतर प्लेसमेंट की सुविधाएं उपलब्ध कराती है। इसी कारण यहां के विद्यार्थी लगातार प्रतिष्ठित कंपनियों में आकर्षक वेतन पैकेज पर चयनित हो रहे हैं।

संस्थान के अध्यक्ष डॉ. रामकिशोर अग्रवाल, उपाध्यक्ष पंकज अग्रवाल और प्रबंध निदेशक मनोज अग्रवाल ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि संस्थान का उद्‌देश्य केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को कुशल, आत्मनिर्भर और सफल पेशेवर बनाना है। उन्होंने विश्वास जताया कि राजीव एकेडमी के विद्यार्थी भविष्य में भी राष्ट्रीय और बहुराष्ट्रीय कंपनियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर संस्थान और मथुरा का नाम रोशन करते रहेंगे। इस अवसर पर शिक्षकों- कर्मचारियों ने भी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

नाम परिवर्तन

मैं अभिषेक गोयल पुत्र श्री कृष्णगोपाल निवासी कुम्हार गली मस्जिद के पीछे मथुरा गेट पुलिस चौकी के सामने वृन्दावन जिला मथुरा सूचित करता हूँ कि मेरी पुत्री के जन्मप्रमाण पत्र में उसका नाम गलती से आरू गोयल दर्ज हो गया है, जबकि उसका वास्तविक सही नाम धानवी गोयल जोकि सत्य है, भविष्य में सही नाम धानवी गोयल दर्ज किया जाये।

सार्वजनिक सूचना

मैं प्रमोद कुमार पुत्र श्री सूरज भान नि0 श्री राधा एन्क्लेव सतोहा जिला मथुरा उ0प्र0 सूचित करता हूँ कि मैंने अपनी पुत्री का नाम लूवया सारस्वत से बदलकर वेदिका सारस्वत कर लिया है, अब से मेरी पुत्री को वेदिका सारस्वत के नाम से जाना जाये।

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
कार्यालयः- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक–पवन गौतम
फोन नंबर–0565–3550761
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

बैंक कॉलोनी में जलभराव हजारों लोग परेशान

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर की बैंक कॉलोनी में पिछले कई वर्षों से जल निकासी की समस्या गंभीर बनी हुई है। बरसात में पूरे मोहल्ले में पानी भर जाने से आम जनजीवन अस्त–व्यस्त हो जाता है। इस समस्या के स्थायी समाधान की मांग को लेकर बैंक कॉलोनी विकास समिति ने अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर समस्या के समाधान की मांग की है। समिति के अध्यक्ष राधेश्याम अग्रवाल ने बताया कि थोड़ी सी बारिश

विकास समिति ने मुख्यमंत्री से लगाई गुहार

में ही बैंक कॉलोनी और आसपास के क्षेत्रों में 2–3 फीट तक पानी भर जाता है। यह पानी कई दिनों तक जमा रहता है। इससे बच्चों का स्कूल जाना, बुजुर्गों और मरीजों का घर से निकलना मुश्किल हो जाता है। गंदे पानी और मच्छरों के कारण डेंगू–मलेरिया जैसी बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। दुकानदारों को भी भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। राधेश्याम अग्रवाल का कहना है कि इस संबंध में स्थानीय जनप्रतिनिधियों और नगर पालिका को कई बार लिखित- मौखिक शिकायतें दी गईं। हर बार आश्वासन मिला, लेकिन आज तक मुख्य नाले का निर्माण नहीं कराया गया है। इस संबंध में नगर पालिका अधिकारियों से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिल सका।

पड़ोसियों ने एक व्यक्ति पर किया हमला

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर के पशु पैंठ नाले के पास रहने वाले एक युवक को पड़ोसियों ने लाठी--डंडों से प्रहार कर बुरी तरह से घायल कर दिया। आरोप है कि हमलावर साढ़े दस हजार रुपये भी निकाल ले गए।

पीड़ित खलील ने पुलिस को दी तहरीर में कहा है कि वह शनिवार की सायं कम्मू नेता की बैठक में बैठा था। उसके पड़ोस के रहने वाले अनवार, अरमान, पप्पू अदि लाठी-डंडे लेकर आए और गाली-गलौज करते हुए उसके साथ मारपीट की, जिससे वह बुरी तरह से घायल हो गया। हमलावर उसके साढ़े दस हजार रुपये भी निकाल ले गए। पुलिस ने तहरीर लेकर जांच शुरू कर दी है।

अदालत के फैसले से बृज भूषण के समर्थक झूमे, कल आएंगे वृंदावन

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश कुश्ती संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष कमल किशोर वार्ष्णेय ने महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न के आरोप में पूर्व सांसद और भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृज भूषण शरण सिंह के हित में फैसला आने पर टिप्पणी की। कहा कि साजिशों की हार हुई, सत्य की जीत हुई है। दिल्ली की एक अदालत के फैसले ने यह साबित कर दिया है कि अंततः सत्य की ही जीत होती है। उन्होंने कहा कि शुरू से ही यह कहा जा रहा था कि कुश्ती पर कब्जा करने की साजिश रची गई थी। साजिश के तहत कुछ पहलवानों को पैसे का लालच दिया गया, जबकि कुछ को बरगलाकर विवाद खड़ा कराया गया। उनका कहना है कि इस पूरे मामले का उद्देश्य खेल और खिलाड़ियों का हित नहीं, बल्कि कुश्ती संघ पर नियंत्रण हासिल करना था। उन्होंने बताया कि भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृज भूषण शरण सिंह कल वृंदावन आएंगे।

शहीद का बलिदान युवाओं में देश सेवा का जोश भरता रहेगा: लक्ष्मी नारायण

यूनिक समय,कोसीकलां। शहीद रामवीर सिंह बैनीवाल युवाओं के लिए हमेशा प्रेरणा के स्त्रोत रहेंगे। उनका बलिदान युवाओं में देशसेवा का जोश भरता रहेगा। उक्त वक्तव्य केबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण ने गांव हुलवाना में रविवार को शहीद रामवीर बैनीवाल की सातवीं पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहे। उन्होंने कहा कि शहीद रामवीर बैनीवाल का अतुल्य बलिदान राष्ट्र सेवा के लिए सभी को सदैव प्रेरित करता रहेगा। शहीद रामवीर के बलिदान दिवस को हमेशा याद रखा जाएगा।

शादी के बाद पुत्रवधू जेवर नगदी लेकर हुई फरार

यूनिक समय, कोसीकलां। दहेज उत्पीड़न और चोरी के मामले में यहां एक बुजुर्ग महिला ने अपनी पुत्रवधू और उसके पिता पर घर से जेवर और 20 हजार रुपये लेकर फरार होने और झूठे दहेज केस में फंसाने की धमकी देने का आरोप लगाया है।

बुजुर्ग हमीदन पत्नी इब्राहीम निवासी नगला इस्लामपुर, गोपालबाग ने थाना में दी तहरीर में कहा है कि पुत्र राशिद की शादी लगभग 11 माह पूर्व मुस्कान पुत्री नेहना निवासी राधेश्याम कालौनी मथुरा के साथ मुस्लिम रीति–रिवाज से की थी। शादी के बाद से ही पुत्रवधू झगड़ा करके अपने पति को अलग ले जाकर रहने लगी। इस बारे में पुत्रवधू के पिता नेहना से शिकायत की गई। आरोप है कि विगत रविवार की

ससुर दे रहा झूठे दहेज केस में फंसाने की धमकी

दोपहर जब वह खेत पर गई थी और पुत्र ड्यूटी पर था, तभी पुत्रवधू मुस्कान घर में रखे सोने-चांदी के आभूषण और 20 हजार रुपये नगद लेकर बिना बताए चली गई।

शाम को घर लौटने पर पुत्र ने ससुर से बात की तो उसने बेटी को 3–4 दिन में समझाकर भेजने का आश्वासन दिया, लेकिन अब पुत्रवधू और उसका पिता अब झूठा दहेज में फसाने की धमकी दे रहा है। पुलिस का कहना है कि तहरीर प्राप्त हुई है। मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

युगल किशोर मंदिर के संरक्षण को लेकर पुरातत्वविद् अधीक्षण को सौंपा ज्ञापन

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। ब्रज वृंदावन देवालय समिति के प्रतिनिधिमंडल ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण आगरा सर्किल के अधीक्षण पुरातत्वविद् डॉ. स्मिता एस. कुमार से भेंट कर श्री युगल किशोर मंदिर के संरक्षण और समुचित रख–रखाव की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में कहा गया कि केशीघाट स्थित श्री युगल किशोर मंदिर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा संरक्षित स्मारक होने के बावजूद पर्याप्त देखरेख के अभाव में उपेक्षित अवस्था में है। मंदिर का मुख्य द्वार अधिकांश समय बंद रहने से श्रद्धालु, पर्यटक और शोधार्थी इस महत्वपूर्ण धरोहर के दर्शन- अवलोकन से वंचित रह जाते हैं। समिति ने मांग की कि मंदिर को प्रतिदिन कम से कम चार घंटे निर्धारित समय के लिए श्रद्धालुओं और आगंतुकों के दर्शनार्थ नियमित रूप से खोला जाए।

प्रतिनिधिमंडल ने मंदिर परिसर और उसके आसपास नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने की भी मांग की। ज्ञापन में कहा गया कि वर्तमान में परिसर में सफाई के अभाव के कारण गंदगी बनी रहती है, जिससे स्मारक की गरिमा प्रभावित होती है। समिति ने पुरातत्व विभाग से नियमित रख–रखाव और स्वच्छता के लिए आवश्यक निर्देश जारी करने का अनुरोध किया।

प्रतिनिधिमंडल में रजत गोस्वामी, गोपेश गोस्वामी, देव गोस्वामी, दीपक गोस्वामी और जगन्नाथ पोद्दार शामिल थे।

निर्माणाधीन कमरे की दीवार और छत गिरने से वृद्ध की मौत

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर की ऑफिसर कॉलोनी स्थित मंदिर के पास रविवार दोपहर एक निर्माणाधीन कमरे की दीवार और छत अचानक भरभरा कर गिर गई। हादसे में वृद्ध गोपी पंडित (70) मलबे में दबकर गंभीर घायल हो गए। स्थानीय लोग उन्हें अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बताया गया कि मंदिर के बराबर में कमरे का निर्माण चल रहा था। आज दोपहर को इसी दौरान अचानक कमरे की दीवार और छत भर–भरा कर गिर गई। हादसे के समय गोपी पंडित कमरे में ही मौजूद थे, जिसके कारण वह मलबे में दब गए। दीवार और छत गिरने से हुई तेज आवाज को सुकर सुनकर आस–पड़ोस के लोग मौके पर पहुंचे और उन्होंने मलबे में दबे वृद्ध को किसी तरह बाहर निकाला।

मलबे में दबकर गंभीर घायल हुए गोपी पंडित को तुरंत अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। गोपी पंडित के निधन से परिवार में कोहराम मच गया। क्षेत्र में शोक की लहर है।

गोपाल बाग से कावड़ यात्रा दल हुआ हरिद्वार को रवाना

यूनिक समय,कोसीकलां। सावन मास में भगवान शिव की भक्ति के रंग में रंगे गोपालबाग क्षेत्र के शिवभक्तों का रथ कांवड़ यात्रा दल शनिवार को हरिद्वार के लिए श्रद्धा-उत्साह के साथ रवाना हुआ। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री प्रतिनिधि नरदेव चौधरी ने शिवभक्तों को सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा भारतीय संस्कृति, सनातन परंपरा, आस्था और सेवा भाव का प्रतीक है। यह यात्रा समाज को धार्मिक मूल्यों से जोड़ने के साथ–साथ सेवा, अनुशासन और समर्पण का संदेश भी देती है। यात्रा में शामिल प्रवेश शर्मा ने बताया कि वे हरिद्वार से पवित्र गंगाजल लेकर 11 अगस्त को शिवालयों में जलाभिषेक करेंगे।

भीम आर्मी के राष्ट्रीय महासचिव ने सत्ता पक्ष पर साधा निशाना

बैठक में बोलते भीम आर्मी के पदाधिकारी।

यूनिक समय, शेरगढ़। शेरगढ़ स्थित आजाद समाज पार्टी के जिला प्रभारी जगदीश पहलवान के प्रतिष्ठान पर रविवार को भीम आर्मी और आजाद समाज पार्टी (आसपा) के राष्ट्रीय महासचिव रविन्द्र भाटी ने कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की।

बैठक में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। इस दौरान संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, आगामी कार्यक्रमों की रणनीति और जनहित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई।

राष्ट्रीय महासचिव रविन्द्र भाटी ने सत्ता पक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि आम जनता से जुड़े कई मुद्दों की लगातार अनदेखी की जा रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को प्रमुखता से उठाने और संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का आह्वान किया। कार्यकर्ताओं ने भी संगठन की मजबूती और क्षेत्रीय समस्याओं को लेकर अपने विचार रखे।

दिवंगत पत्रकार अनु के परिजनों को दी 1.11 लाख की आर्थिक सहायता

दिवंगत पत्रकार की पत्नी को आर्थिक सहायता राशि का डीडी देते पत्रकार बंधु।

यूनिक समय, मथुरा। जनपद के पत्रकारों ने एकजुटता और संवेदनशीलता का परिचय देते हुए दिवंगत वरिष्ठ पत्रकार अरुण अनु के परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान की। उत्तर प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार यूनियन वृंदावन प्रेस क्लब और जिले के कुल 68 पत्रकारों के सहयोग से एकत्रित 1,11,556 का डिमांड ड्राफ्ट उनकी पत्नी पुष्पा ठाकुर को सौंपा गया।

इस दौरान पत्रकारों ने परिवार को भरोसा दिलाया कि भविष्य में भी जिले का पत्रकार समाज उनके सुख–दुख में हमेशा साथ खड़ा रहेगा। दिवंगत पत्रकार की पत्नी पुष्पा ठाकुर ने भावुक होकर सभी पत्रकारों का आभार व्यक्त किया। उत्तर प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के जिलाध्यक्ष नरेंद्र भारद्वाज ने कहा कि यह सहयोग केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि पत्रकार परिवार की एकजुटता, संवेदनशीलता और सामाजिक जिम्मेदारी का प्रतीक है।

इस अवसर पर पत्रकार उमर कुरैशी, अजय शर्मा, परवेज अहमद, अनेक सिंह, संजय गौड़, रमेश चंद, आरती शर्मा, पिंटू, दिनेश भारती, गौरव शर्मा, सुमित गोस्वामी, मोहन मीणा, आरके धनगर, नीरज चतुर्वेदी, रिंकू शर्मा, रवनीत मैसी, राहुल कुमार, ब्रजेश सेन सहित अनेक पत्रकार उपस्थित रहे।

युद्ध ज्ञान जिला स्तरीय आत्मरक्षा समूह प्रतियोगिता का हुआ समापन

यूनिक समय, मथुरा। युद्धज्ञान इंडियन स्पोर्ट्स मार्शल आर्ट ऑर्गनाइजेशन के तत्वाधान में आयोजित आठवीं युद्धज्ञान जिला स्तरीय आत्मरक्षा समूह प्रतियोगिता का आयोजन एमटीएस सीनियर सेकेंडरी स्कूल लक्ष्मीनगर में किया गया। शुभारंभ बीएसए रतन कीर्ति और डॉ. वर्षा तिवारी ने किया। प्रतियोगिता में जनपद के लगभग 150 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने शक्ति योगासन, आत्मरक्षा कला, भारतीय अस्त्र कला और आनंदमय कला का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विभिन्न आयु वर्गों में विजेता प्रतिभागियों को पदक और प्रमाण–

आठवीं युद्धज्ञान प्रतियोगिता में प्रतिभाग करता छात्र।

पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। योगेश यादव, देवेंद्र कुमार, रामबाबू, अभिजीत सिंह, दीपमाला यादव और अन्य अतिथियों ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें सम्मानित किया। स्वर्ण पदक विजेताओं में हर्षिका वर्धन सर्पाकार, आरना शर्मा, अक्षत श्रीवास्तव, प्रत्यक्ष राघव, उन्नति, गुरुदेव, परी, माधुरी सिंह, भूमि यादव, शुभम खरे और वृंदा शर्मा, रजत पदक विजेताओं में श्रुतिका श्रीवास्तव, बिहान अग्रवाल, युवान, सिया शर्मा, अहान शर्मा, महेंद्र सिंह, जान्हवी , कुणाल और कांस्य पदक विजेताओं में कबीर सिंह, अनमोल, तानिया तोमर, युवराज, समर, अमन, भव्य चौधरी, मिंटू, अंशु, अनन्या शर्मा, रिया, हर्षवर्धन सर्पाकार, आर्यमन सिंह, अनन्या, सूर्यकांत, लवकुश और देवांश शामिल रहे। प्रतियोगिता आयोजन में संस्था के संस्थापक ज्ञान प्रकाश, मुकेश कुमार श्रीवास्तव, अमित कुमार, मोहित कुमार, राधाबल्लभ, राहुल शर्मा और सदस्य ममता, मीना अवस्थी, कार्तिक शर्मा, वंशज, अर्जन सिंह, अमीन अली, रश्मि और शुभम खरे,शिवरतन कुमार,महेंद्र कुमार सहित सभी सहयोगियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।-

पर्यावरण को पौधारोपण है जरूरी

यूनिक समय,मथुरा। राष्ट्रीय ब्राह्मण सेवा संघ जिला कार्यकारिणी द्वारा कैलाश नगर के पार्कों में आज पौधारोपण किया गया। वक्ताओं ने पर्यावरण के बारे में स्थानीय लोगों को जागरूक करते हुए पौधों के महत्व के बारे में बताया। नगर निगम के उपसभापति मुकेश सारस्वत, रामकृष्ण त्रिपाठी, चंद्रमणि पांडे, सतीश मिश्रा, ब्रह्मदत्त द्विवेदी, एमडी व्यास, राजेश अग्निहोत्री, बृजराज सारस्वत, विशन गौतम, राम प्रकाश द्विवेदी, राजेश गौतम, दीपक शर्मा,अखिलेश तिवारी आदि लोग मौजूद रहे।

सुविचार

रास्ते मुश्किल हों तो क्या, हौंसले हमेशा मंजिल तक पहुंचाते हैं।

कल का पंचांग

तिथि	षष्ठी	10:54-10:03 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	रेवती	10:00-09:54 तक	माह	आषाढ़
सूर्योदय		5:48 AM	चन्द्रोदय	10:22 PM
सूर्यास्त		7:02 PM	चंद्रास्त	11:52 AM
सूर्य राशि		कर्क राशि	चंद्र	मीन राशि
शुभ मुहूर्त		11:58AM–12:51 PM	ब्रहम् मुहूर्त	03:53-04:41
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		03:43 PM: 05:23 PM	वार	मंगलवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8.00 से दोपहर 01.30 बजे तक और शाम 4.00 से रात 9.00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6.30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6.30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7.30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेषः कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिलेगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। परिवार का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी।

वृषभः रुके हुए कार्य पूरे होंगे। निवेश सोच–समझकर करें। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। विद्यार्थियों को सफलता मिलेगी।

मिथुनः नौकरी में प्रगति के योग हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। खर्च नियंत्रित रखें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शुभ समाचार मिलेगा।

कर्कः परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा। व्यापार में लाभ होगा। पुराने विवाद सुलझेंगे।

सिंहः मेहनत का पूरा फल मिलेगा। नए संपर्क लाभ देंगे। आर्थिक स्थिति सुधरेगी। वाहन सावधानी से चलाएं। सम्मान में वृद्धि होगी।

कन्याः करियर में नए अवसर मिलेंगे। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। निवेश लाभ देगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

तुलाः व्यापार में उन्नति होगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। नई योजनाएं सफल होंगी। मानसिक तनाव घटेगा। आर्थिक लाभ संभव है।

वृश्चिकः महत्वपूर्ण निर्णय सोच–समझकर लें। नौकरी में प्रशंसा मिलेगी। परिवार के साथ समय बिताएं। स्वास्थ्य बेहतर रहेगा।

धनुः भाग्य का साथ मिलेगा। रुका धन वापस मिल सकता है। विद्यार्थियों को सफलता मिलेगी। यात्रा शुभ रहेगी। मन उत्साहित रहेगा।

मकरः कार्यों में सफलता मिलेगी। व्यापार में विस्तार होगा। परिवार में आनंद रहेगा। सेहत का ध्यान रखें।

कुंभः नौकरी और व्यापार दोनों में प्रगति होगी। मित्रों से सहयोग मिलेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। विवादों से दूर रहें। लाभ मिलेगा।

मीनः धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। आय के नए स्रोत बनेंगे। पारिवारिक सुख मिलेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आत्मविश्वास से सफलता मिलेगी।

शिवलिंग पर चढ़ा प्रसाद कब और कैसे ग्रहण करें

शिवपुराण में बताए गए नियम दूर करते है सभी भ्रम

हर शिवलिंग का नैवेद्य समान नियमों से नहीं है जुड़ा

यूनिक समय, मथुरा। सावन के पावन महीने में भगवान शिव की पूजा–अर्चना का विशेष महत्व माना जाता है। इस दौरान एक सवाल अक्सर श्रद्धालुओं के मन में उठता है कि शिवलिंग पर चढ़ाया गया जल, दूध और प्रसाद ग्रहण करना चाहिए या नहीं। इस विषय में कई तरह की मान्यताएं प्रचलित हैं, लेकिन शिवपुराण में इससे जुड़े स्पष्ट नियम बताए गए हैं, जिनसे इस भ्रम का समाधान होता है। शिवपुराण के अनुसार सनत्कुमार ऋषियों को बताते हैं कि यह मान लेना सही नहीं है कि शिवलिंग पर अर्पित हर प्रकार का नैवेद्य या प्रसाद ग्रहण नहीं किया जा सकता। जिस शिवलिंग की विधिवत पूजा–अर्चना की जाती है, उस पर श्रद्धा से अर्पित नैवेद्य पवित्र माना जाता है और उसे सम्मानपूर्वक स्वीकार किया जा सकता है। हालांकि, सभी शिवलिंगों के लिए एक जैसे नियम लागू नहीं होते। ग्रंथों में अलग–अलग प्रकार के शिवलिंगों का उल्लेख मिलता है। इनमें शालिग्राम, पारद, सोने, चांदी, स्फटिक और रत्न से बने शिवलिंगों पर चढ़ाया गया नैवेद्य ग्रहण करना उचित बताया गया है। वहीं कुछ विशेष शिवलिंगों के संबंध में अलग नियम बताए गए हैं। शिवपुराण में चंड के अधिकार का भी उल्लेख मिलता है।

इसमें कहा गया है कि जिन शिवलिंगों पर चंड का अधिकार माना गया है, वहां चढ़ाए गए नैवेद्य का सेवन नहीं करना चाहिए। दूसरी ओर, बाणलिंग, धातु से बने कुछ शिवलिंग, सिद्धलिंग और ज्योतिर्लिंगों के संबंध में चंड का अधिकार नहीं बताया गया है। ऐसे शिवलिंगों पर अर्पित नैवेद्य को ग्रहण करने में कोई दोष नहीं माना गया। अभिषेक के जल को लेकर भी ग्रंथों में विशेष नियम बताए गए हैं। विधिपूर्वक पूजन के बाद शिवलिंग पर चढ़ाए गए शुद्ध जल को तीन बार हाथ में लेकर आचमन करने की परंपरा बताई गई है। इसे पवित्र माना गया है।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

वहीं, दूध से किए गए अभिषेक के संबंध में सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। शिवलिंग पर चढ़ाने के बाद जो दूध जल के साथ मिलकर बह जाता है, उसका सेवन नहीं करना चाहिए। यदि किसी शिवलिंग पर बिना अभिषेक के केवल नैवेद्य अर्पित किया गया हो, तो उसे पवित्र और ग्रहण करने योग्य माना गया है। धार्मिक जानकारों का कहना है कि पूजा से जुड़े नियमों का पालन श्रद्धा और शास्त्रीय मर्यादा के अनुसार करना चाहिए। इससे न केवल भ्रम दूर होता है, बल्कि पूजा का आध्यात्मिक महत्व भी बढ़ता है।

घर में शिवलिंग रखना है शुभ या अशुभ

शिवपुराण की कथा ने दूर किया भ्रम

यूनिक समय, मथुरा। सावन के पवित्र महीने में भगवान शिव की आराधना के दौरान श्रद्धालुओं के मन में एक प्रश्न अक्सर उठता है कि क्या घर में शिवलिंग रखना शुभ होता है या नहीं। कई लोग मानते हैं कि घर में शिवलिंग स्थापित नहीं करना चाहिए, जबकि शिवपुराण में वर्णित एक प्रसंग इस विषय पर अलग दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है।

पौराणिक कथा के अनुसार एक बार नारद मुनि ने ब्रह्माजी से पूछा कि मनुष्य अपने दुखों का निवारण कैसे कर सकता है। इस पर ब्रह्माजी सभी देवताओं और ऋषि–मुनियों को साथ लेकर भगवान विष्णु के पास क्षीरसागर पहुंचे और उनसे इस प्रश्न का समाधान जानना चाहा।

भगवान विष्णु ने उत्तर दिया कि जीवन के कष्टों से मुक्ति और मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए भगवान शिव की उपासना सबसे प्रभावी मानी गई है।

उन्होंने कहा कि देवता, दैत्य और स्वयं ब्रह्माजी भी शिवलिंग की पूजा करते हैं। शिवलिंग की आराधना से परिवार में सुख, शांति और समृद्धि का वास होता है तथा भक्त की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

कथा के अनुसार भगवान विष्णु ने सभी देवताओं को शिवलिंग की स्थापना और नियमित पूजा का महत्व समझाया। इसके बाद विश्वकर्मा को अलग–अलग देवताओं के लिए विशेष शिवलिंग बनाने का आदेश दिया गया। मान्यता है कि इंद्र के लिए माणिक्य, कुबेर के लिए स्वर्ण, विष्णु के लिए नीलम, लक्ष्मी के लिए स्फटिक, आदित्यों के लिए तांबा, चंद्रदेव के लिए मोती, अग्निदेव के लिए हीरा तथा विश्वेदेवों के लिए चांदी के शिवलिंग तैयार किए गए।

शिवपुराण में यह भी बताया गया है कि मिट्टी, पत्थर, धातु, चांदी, सोना या पारद से बने शिवलिंग घर में स्थापित किए जा सकते हैं। हालांकि उनकी स्थापना के बाद नियमित रूप से पूजा, अभिषेक और साफ–सफाई का विशेष ध्यान रखना आवश्यक माना गया है।

धार्मिक विद्वानों का कहना है कि भगवान शिव केवल मंदिरों तक सीमित नहीं हैं। यदि श्रद्धा, पवित्रता और विधि–विधान के साथ उनकी पूजा की जाए तो घर में शिवलिंग स्थापित करना भी पूर्णतः शुभ माना गया है।

सावन के पहले सोमवार पर महाकाल धाम पहुंचे तीन लाख श्रद्धालु

यूनिक समय, मथुरा। सावन के पहले सोमवार पर मध्यप्रदेश के प्रमुख शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। उज्जैन के विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में तड़के से ही भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं। अब तक तीन लाख से अधिक श्रद्धालु बाबा महाकाल के दर्शन कर चुके हैं। भस्म आरती के लिए रात 2:30 बजे मंदिर के पट खोले गए, जिसके बाद पंचामृत से अभिषेक और भव्य राजाधिराज श्रृंगार किया गया।

ओंकारेश्वर, ममलेश्वर, भोजेश्वर, मतंगेश्वर, पशुपतिनाथ सहित प्रदेश के अन्य प्रमुख शिवालयों में भी सुबह से दर्शन–पूजन का सिलसिला जारी रहा। ओंकारेश्वर में बाबा की राजसी सवारी निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

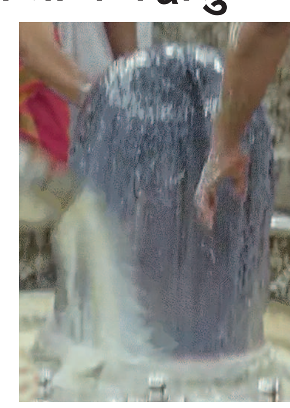

प्रदेशभर में "बोल बम" और "हर–हर महादेव" के जयघोष के बीच कांवड़ यात्राओं का उत्साह भी देखने को मिला। नर्मदा घाटों से जल लेकर हजारों कांवड़िए विभिन्न शिवालयों की ओर रवाना हुए और भगवान शिव का जलाभिषेक किया। सावन के पहले सोमवार पर पूरे प्रदेश में शिवभक्ति का उल्लास छाया रहा।

क्या महिलाएं भगवान का शिवलिंग छू सकती हैं!

शिवपुराण की कथा ने दूर किया वर्षों पुराना भ्रम

श्रद्धा, भक्ति और नियमों का देती है यह संदेश प्रेरक कहानी

यूनिक समय, मथुरा। सावन के पवित्र महीने में भगवान शिव की आराधना को लेकर श्रद्धालुओं के मन में कई प्रश्न उठते हैं। इनमें सबसे सामान्य सवाल यह है कि क्या महिलाएं शिवलिंग को स्पर्श कर सकती हैं। इस विषय में अलग–अलग मान्यताएं प्रचलित हैं, लेकिन शिवपुराण में वर्णित एक कथा इस भ्रम को दूर करने का प्रयास करती है।

पौराणिक कथा के अनुसार देवगिरि पर्वत के पास भार्गव नाम के एक ब्राह्मण अपनी पत्नी सुदेहा के साथ रहते थे। दोनों भगवान शिव के परम भक्त थे, लेकिन संतान न होने के कारण सुदेहा दुखी रहती थीं। एक दिन उन्होंने अपने पति से दूसरी शादी करने का आग्रह किया ताकि परिवार को संतान का सुख मिल सके। भार्गव पहले इसके लिए तैयार नहीं हुए, लेकिन पत्नी के आग्रह पर उन्होंने सुदेहा की छोटी बहन घुश्मा से विवाह कर लिया।

विवाह के बाद घुश्मा ने पूरी श्रद्धा से भगवान शिव की आराधना शुरू की। वह प्रतिदिन अपने हाथों से मिट्टी के 101 शिवलिंग बनातीं, विधि–विधान से उनकी पूजा करतीं और फिर पास के सरोवर में उनका विसर्जन कर देतीं। उनकी अटूट भक्ति से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें पुत्र रत्न का आशीर्वाद दिया।

समय के साथ पुत्र बड़ा हुआ और उसका विवाह भी हो गया। कथा के अनुसार, घुश्मा के पुत्र को देखकर सुदेहा के मन में ईर्ष्या उत्पन्न हो गई। एक रात उन्होंने क्रोध और द्वेष में घुश्मा के पुत्र की हत्या कर दी और उसके शरीर के टुकड़ों को उसी सरोवर में डाल दिया, जहां घुश्मा प्रतिदिन शिवलिंगों का विसर्जन करती थीं।

अगली सुबह भी घुश्मा ने अपने नित्य नियम में कोई परिवर्तन नहीं किया। उन्होंने पहले भगवान शिव की पूजा की, 101 पार्थिव शिवलिंगों का अभिषेक किया और फिर उन्हें सरोवर में विसर्जित करने पहुंचीं। लौटते समय उन्होंने अपने पुत्र को जीवित और सुरक्षित देखा। तभी भगवान शिव प्रकट हुए और सुदेहा को दंड देने की बात कही। घुश्मा ने भगवान शिव से अपनी बहन को क्षमा करने की प्रार्थना की। उनकी करुणा, धैर्य और क्षमाशीलता से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने वहीं घुश्मेश्वर ज्योतिर्लिंग के रूप में विराजमान होने का वरदान दिया। मान्यता है कि यही स्थान आगे चलकर बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक बना।

धार्मिक विद्वानों के अनुसार, यह कथा बताती है कि भगवान शिव के लिए सच्ची श्रद्धा, भक्ति और पवित्र आचरण सबसे महत्वपूर्ण हैं। इसी आधार पर अनेक परंपराओं में महिलाओं द्वारा शिवलिंग पूजन और स्पर्श का उल्लेख मिलता है।

हालांकि विभिन्न मंदिरों की अपनी–अपनी परंपराएं और नियम हो सकते हैं, इसलिए श्रद्धालुओं को स्थानीय धार्मिक मर्यादाओं का भी सम्मान करना चाहिए।

सम्पादकीय

स्कूलों में जंक फूड रोकना समय की सबसे बड़ी जरूरत

कहते हैं कि बच्चे देश का भविष्य होते हैं, लेकिन विडंबना यह है कि आज उनका भविष्य चिप्स के पैकेट, कोल्ड ड्रिंक की बोतल और तली-भुनी चीजों के बीच कहीं उलझता जा रहा है। स्कूल, जहां ज्ञान और संस्कार की नींव रखी जाती है, वहीं कई बार जंक फूड का सबसे आसान बाजार भी बन जाते हैं। ऐसे में महाराष्ट्र सरकार का स्कूलों और उनके 50 मीटर के दायरे में जंक फूड की बिक्री, मुफ्त वितरण और विज्ञापनों पर प्रतिबंध लगाने का फैसला केवल प्रशासनिक आदेश नहीं, बल्कि स्वस्थ समाज की दिशा में एक सकारात्मक पहल है। दरअसल, बच्चों को समोसे या चिप्स से नहीं, बल्कि उस आदत से बचाने की जरूरत है जो धीरे-धीरे उनके शरीर और भविष्य दोनों को नुकसान पहुंचा रही है। विज्ञापनों की चमक, रंग-बिरंगी पैकेजिंग और 'दो मिनट की खुशी' ने घर के बने पौष्टिक भोजन को पिछली सीट पर बैठा दिया है। हालत यह है कि कई बच्चों को दाल, फल और सलाद से ज्यादा आकर्षण तले हुए स्नैक्स में दिखाई देता है। थोड़ा व्यंग्य भी जरूरी है। आज अगर किसी बच्चे से पालक खाने को कहिए तो वह ऐसे मुंह बनाता है जैसे कोई कठिन परीक्षा देनी हो, लेकिन उसी बच्चे के सामने बर्गर रख दीजिए तो उसकी मुस्कान देखते ही बनती है। यह केवल बच्चों की पसंद नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक आदतों का भी आईना है। जब बड़े ही हर सप्ताह 'फास्ट फूड पार्टी' का जश्न मनाएंगे तो बच्चे स्वास्थ्य का पाठ आखिर किससे सीखेंगे?

पवन गौतम
संपादक

स्कैन करें

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

हालांकि केवल प्रतिबंध लगाने से समस्या समाप्त नहीं होगी। यदि स्कूल की कैंटीन में पौष्टिक भोजन स्वादिष्ट नहीं होगा तो बच्चे स्कूल के बाहर पहला ठेला खोज लेंगे। इसलिए जरूरी है कि स्वस्थ भोजन को भी आकर्षक बनाया जाए। पोषण और स्वाद का संतुलन ही इस अभियान की असली सफलता तय करेगा।

सरकार को नियम बनाने के साथ-साथ उनके प्रभावी पालन पर भी उतना ही ध्यान देना होगा। खाद्य सुरक्षा मानकों की नियमित जांच, स्कूलों में पोषण शिक्षा और अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी इस अभियान को मजबूत बना सकती है। बच्चों को यह समझाना होगा कि असली 'सुपरहीरो' वह नहीं जो चिप्स का सबसे बड़ा पैकेट खत्म कर दे, बल्कि वह है जो स्वस्थ भोजन चुनकर अपने शरीर को मजबूत बनाए। देश की सबसे बड़ी पूंजी उसकी युवा पीढ़ी है। यदि बचपन स्वस्थ होगा तो भविष्य भी मजबूत होगा। इसलिए जंक फूड पर नियंत्रण केवल स्वास्थ्य का विषय नहीं, बल्कि आने वाले भारत में निवेश है। अब समय आ गया है कि स्वाद से ज्यादा सेहत को महत्व दिया जाए और स्कूलों को वास्तव में स्वस्थ भविष्य की प्रयोगशाला बनाया जाए।

नजरिया

आर्म्स प्रशिक्षण में लापरवाही, सुरक्षा व्यवस्था पर उठे गंभीर सवाल

बोध प्रकाश सगुणी

बंदूक केवल धातु का एक उपकरण नहीं होती, बल्कि उसके साथ जुड़ी होती है जिम्मेदारी, कानून और समाज की सुरक्षा। इसलिए हथियार का लाइसेंस देने से पहले प्रशिक्षण अनिवार्य किया गया, ताकि हथियार केवल उसी व्यक्ति के हाथ में पहुंचे जो उसके उपयोग, जोखिम और कानूनी दायित्वों को समझता हो। लेकिन यदि प्रशिक्षण केवल कागजों पर होने लगे, फोटो खिंचवाकर प्रमाणपत्र जारी होने लगें और मेडिकल जांच भी महज औपचारिकता बन जाए, तो यह केवल नियमों का उल्लंघन नहीं, बल्कि पूरी व्यवस्था पर गंभीर सवाल है।

हाल में सामने आई पड़ताल ने संकेत दिया है कि कुछ प्रशिक्षण केंद्रों में कथित रूप से बिना निर्धारित प्रक्रिया पूरी किए आर्म्स ट्रेनिंग प्रमाणपत्र जारी करने की पेशकश की जा रही है। यदि जांच में ऐसे आरोप सही साबित होते हैं तो यह केवल एक संस्थान या कुछ कर्मचारियों की गलती नहीं मानी जा सकती। यह उस व्यवस्था की कमजोरी होगी, जिसमें सुरक्षा से जुड़े सबसे संवेदनशील दस्तावेज भी लेन-देन का माध्यम बन जाएं। ऐसे मामलों में अंतिम निष्कर्ष सक्षम जांच और कानूनी प्रक्रिया के बाद ही निकलेंगे, लेकिन आरोपों की गंभीरता तत्काल और निष्पक्ष जांच की मांग अवश्य करती है।

सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि आखिर प्रशिक्षण की आवश्यकता क्यों रखी गई थी? सरकार ने नियम इसलिए बनाया था कि हथियार का लाइसेंस लेने वाला व्यक्ति उसके सुरक्षित उपयोग, कानूनी सीमाओं और आपात परिस्थितियों की जानकारी प्राप्त करे। यदि तीन दिन का प्रशिक्षण कागजों में पूरा दिखाकर कुछ मिनटों में प्रमाणपत्र बांटे जाने लगें, तो नियम का उद्देश्य ही समाप्त हो जाता है। इससे लाइसेंस प्रणाली की विश्वसनीयता प्रभावित होती है और सुरक्षा व्यवस्था पर अनावश्यक जोखिम बढ़ता है।

यह मुद्दा केवल बिहार तक सीमित नहीं माना जाना चाहिए। उत्तर प्रदेश जैसे विशाल राज्य में लाखों लाइसेंसधारी हैं और हर वर्ष नए आवेदन भी बड़ी संख्या में आते हैं। प्रदेश के कई जिलों में व्यक्तिगत सुरक्षा, कृषि, व्यापार, खेल निशानेबाजी और अन्य वैध कारणों से हथियार लाइसेंस के आवेदन किए जाते हैं। ऐसे में यदि कहीं भी प्रशिक्षण प्रक्रिया में लापरवाही या फर्जीवाड़े की गुंजाइश है, तो उसकी समीक्षा पूरे देश में होनी चाहिए। सुरक्षा व्यवस्था राज्यों की सीमाओं में बंधी नहीं होती।

उत्तर प्रदेश की भौगोलिक स्थिति इस संदर्भ में और भी महत्वपूर्ण है। राज्य की सीमाएं कई राज्यों से जुड़ी हैं और बड़ी आबादी के कारण प्रशासनिक चुनौतियां भी अधिक हैं। यदि किसी राज्य में फर्जी प्रमाणपत्र के आधार पर हथियार लाइसेंस लेने की प्रवृत्ति विकसित होती है, तो उसका प्रभाव दूसरे राज्यों तक भी पहुंच सकता है। इसलिए राज्यों के बीच सूचना साझा करने, प्रमाणपत्रों का डिजिटल सत्यापन और प्रशिक्षण संस्थानों की नियमित निगरानी समय की मांग है।

विडंबना यह है कि आम नागरिक को किसी छोटे प्रमाणपत्र के लिए कई कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते हैं, लेकिन यदि सुरक्षा से जुड़े दस्तावेज भी कथित रूप से पैसे के बल पर उपलब्ध होने लगें तो यह व्यवस्था पर लोगों के विश्वास को कमजोर करता है। कानून का सम्मान तभी बढ़ता है जब उसका पालन सभी पर समान रूप से लागू हो। नियम केवल ईमानदार लोगों के लिए और शॉर्टकट केवल प्रभावशाली लोगों के लिए नहीं होने चाहिए।

यह भी विचारणीय है कि प्रशिक्षण केंद्रों की मान्यता देने वाली संस्थाओं की जवाबदेही कैसे तय होगी। क्या नियमित ऑडिट हो रहे हैं? क्या प्रशिक्षण की वीडियो रिकॉर्डिंग सुरक्षित रखी जाती है? क्या प्रशिक्षकों की उपस्थिति और प्रशिक्षण लेने वाले अभ्यर्थियों का बायोमेट्रिक सत्यापन होता है? यदि इन प्रश्नों के स्पष्ट उत्तर नहीं हैं, तो सुधार की आवश्यकता स्वीकार करनी होगी। आज तकनीक ऐसे कई समाधान उपलब्ध कराती है जिनसे पारदर्शिता बढ़ाई जा सकती है। प्रशिक्षण के दौरान बायोमेट्रिक उपस्थिति, जीपीएस आधारित उपस्थिति रिकॉर्ड, डिजिटल फोटो और वीडियो लॉग, ऑनलाइन सत्यापन, क्यूआर कोड युक्त प्रमाणपत्र तथा केंद्रीय डेटाबेस जैसी व्यवस्थाएं फर्जीवाड़े की संभावना को काफी हद तक कम कर सकती हैं। यदि बैंकिंग, पासपोर्ट और ड्राइविंग लाइसेंस जैसी व्यवस्थाएं डिजिटल हो सकती हैं, तो हथियार प्रशिक्षण प्रणाली भी आधुनिक और पारदर्शी बनाई जा सकती है।

इस पूरे मामले का एक दूसरा पहलू भी है। देश में खेल निशानेबाजी को बढ़ावा देना आवश्यक है। हजारों युवा इस खेल में अपना भविष्य बनाना चाहते हैं। इसलिए खेल प्रशिक्षण और आर्म्स लाइसेंस से जुड़े प्रशिक्षण की प्रक्रियाओं को स्पष्ट रूप से अलग रखना भी जरूरी है, ताकि खेल संस्थानों की विश्वसनीयता पर अनावश्यक प्रश्नचिन्ह न लगें और वास्तविक खिलाड़ियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

राजनीतिक दृष्टि से भी ऐसे मामलों में संयम आवश्यक है। किसी व्यक्ति या संस्था पर लगे आरोपों को जांच पूरी होने से पहले अंतिम सत्य मान लेना उचित नहीं होगा। वहीं दूसरी ओर आरोपों को केवल राजनीतिक विवाद बताकर नजरअंदाज करना भी गलत होगा। लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत निष्पक्ष जांच और जवाबदेही है। यदि किसी स्तर पर नियमों का उल्लंघन हुआ है तो दोषियों पर कठोर कार्रवाई होनी चाहिए, चाहे उनका पद, प्रभाव या पहचान कुछ भी हो।

उत्तर प्रदेश सहित पूरे देश के लिए यह एक चेतावनी है कि सुरक्षा से जुड़े नियमों में किसी भी प्रकार की ढिलाई अंततः समाज को ही महंगी पड़ती है। हथियार का लाइसेंस अधिकार नहीं, बल्कि कानून द्वारा दी गई एक जिम्मेदारी है। इसलिए प्रशिक्षण भी वास्तविक होना चाहिए और प्रमाणपत्र भी केवल योग्य व्यक्ति को ही मिलना चाहिए।

लोकतंत्र की मजबूती केवल कठोर कानून बनाने से नहीं आती, बल्कि उनके ईमानदार क्रियान्वयन से आती है। यदि प्रशिक्षण कागजों तक सीमित रह जाएगा तो सुरक्षा भी केवल कागजों पर ही दिखाई देगी। अब समय आ गया है कि केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर पूरे देश में आर्म्स प्रशिक्षण व्यवस्था की व्यापक समीक्षा करें, डिजिटल निगरानी लागू करें और यह सुनिश्चित करें कि सुरक्षा के नाम पर कोई शॉर्टकट भविष्य का खतरा न बन सके।

विचार विंडो

नेपाल हिंसा ने दक्षिण एशिया की फिर बढ़ाई चिंता

राम प्रकाश शर्मा

नेपाल की तराई में हाल में भड़की सांप्रदायिक हिंसा ने पूरे दक्षिण एशिया का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। शुरुआत एक स्थानीय विवाद से हुई, लेकिन देखते ही देखते यह कई जिलों तक फैल गई। तीन लोगों की मौत, कर्फ्यू, सुरक्षा बलों की तैनाती और प्रशासनिक सख्ती ने स्पष्ट कर दिया कि छोटी-सी चिंगारी भी यदि समय रहते नियंत्रित न हो तो बड़े सामाजिक संकट का रूप ले सकती है। यह घटना केवल कानून-व्यवस्था का मामला नहीं है, बल्कि सामाजिक विश्वास, प्रशासनिक क्षमता और क्षेत्रीय स्थिरता की भी गंभीर परीक्षा है।

नेपाल लंबे समय तक धार्मिक सह-अस्तित्व और सामाजिक सौहार्द का उदाहरण माना जाता रहा है। विभिन्न समुदायों ने वर्षों तक साथ रहकर सामाजिक और आर्थिक जीवन को आगे बढ़ाया। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में बदलते राजनीतिक माहौल, पहचान आधारित राजनीति, सोशल मीडिया पर फैलती अफवाहों और बढ़ते सामाजिक ध्रुवीकरण ने इस संतुलन को चुनौती दी है। ऐसे में कोई भी स्थानीय विवाद तेजी से व्यापक तनाव में बदल सकता है।

हिंसा प्रभावित क्षेत्र भारत-नेपाल की खुली सीमा के निकट स्थित हैं। यह सीमा दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक, पारिवारिक और आर्थिक संबंधों की मजबूत कड़ी रही है। लाखों लोग रोजगार, व्यापार, शिक्षा और पारिवारिक कारणों से वर्षों से दोनों देशों के बीच सहज आवाजाही करते रहे हैं। यही कारण है कि नेपाल में पैदा होने वाला कोई भी बड़ा सामाजिक तनाव केवल वहीं तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसका असर सीमा पार भी महसूस किया जा सकता है।

हालांकि किसी भी घटना का विश्लेषण करते समय जल्दबाजी में निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा। किसी एक समुदाय या किसी एक कारण को पूरी तरह जिम्मेदार ठहराना समस्या का समाधान नहीं है। ऐसी घटनाओं के पीछे स्थानीय विवाद, प्रशासनिक चूक, राजनीतिक परिस्थितियां, आर्थिक चुनौतियां, अफवाहें और सोशल मीडिया पर फैलने वाली भ्रामक सूचनाएं जैसी अनेक परतें होती हैं। इसलिए निष्पक्ष जांच और तथ्यों के आधार पर ही जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए।

नेपाल सरकार ने हिंसा के बाद कर्फ्यू लगाया, सुरक्षा बलों की तैनाती की, जांच समिति गठित करने की घोषणा की और मृतकों के परिजनों को सहायता देने का आश्वासन भी दिया है। यह शुरुआती कदम आवश्यक हैं,

लेकिन स्थायी समाधान केवल सुरक्षा व्यवस्था से संभव नहीं होगा। प्रशासन को दोनों समुदायों के बीच विश्वास बहाली, संवाद और स्थानीय स्तर पर विवाद निवारण की प्रभावी व्यवस्था विकसित करनी होगी। धार्मिक और सामाजिक नेताओं की भूमिका भी इस दिशा में महत्वपूर्ण होगी।

भारत के लिए भी यह घटनाक्रम महत्वपूर्ण है। खुली सीमा दोनों देशों की ऐतिहासिक मित्रता का प्रतीक है, लेकिन इसके साथ सुरक्षा संबंधी चुनौतियां भी जुड़ी रहती हैं। सीमा पार अफवाहें, भड़काऊ संदेशों और दुष्प्रचार का प्रभाव तेजी से फैल सकता है। इसलिए दोनों देशों की सुरक्षा एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय, सूचना साझाकरण और संवेदनशील क्षेत्रों में सतर्क निगरानी समय की आवश्यकता है। साथ ही यह भी सुनिश्चित करना होगा कि आम नागरिकों, व्यापार और पारिवारिक संबंधों पर अनावश्यक असर न पड़े।

सोशल मीडिया की भूमिका भी इस पूरे घटनाक्रम में गंभीर चिंता का विषय है। आज अपुष्ट वीडियो, पुराने दृश्य या भ्रामक संदेश कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच जाते हैं। ऐसी स्थिति में नागरिकों की जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है कि वे केवल आधिकारिक और विश्वसनीय स्रोतों से मिली जानकारी पर ही भरोसा करें। मीडिया संस्थानों की भी यह जिम्मेदारी है कि वे तथ्यों की पुष्टि के बाद ही समाचार प्रकाशित करें और ऐसी भाषा से बचें जो तनाव को बढ़ा सकती हो।

नेपाल की यह घटना पूरे दक्षिण एशिया के लिए एक महत्वपूर्ण सीख भी है। विविधता वाले समाजों में शांति केवल कानून के बल पर कायम नहीं रह सकती। इसके लिए न्यायपूर्ण प्रशासन, सामाजिक संवाद, आर्थिक अवसर, पारदर्शी शासन और जिम्मेदार राजनीतिक नेतृत्व की समान रूप से आवश्यकता होती है। जब समाज में भरोसा कमजोर पड़ता है तो छोटी घटनाएं भी बड़े संकट का रूप ले सकती हैं।

नेपाल आज जिस चुनौती का सामना कर रहा है, उसका समाधान केवल कर्फ्यू हटने या दोषियों की गिरफ्तारी तक सीमित नहीं है। वास्तविक सफलता तब होगी जब प्रभावित क्षेत्रों में फिर से सामान्य जीवन लौटे, समुदायों के बीच विश्वास मजबूत हो और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी संस्थागत व्यवस्था विकसित की जाए। नेपाल की स्थिरता केवल उसके नागरिकों के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे दक्षिण एशिया, विशेषकर भारत-नेपाल संबंधों की मजबूती और क्षेत्रीय शांति के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

भारत ने भाला फेंक स्पर्धा में जीते दो पदक

नीरज का एक मंत्र बना मेडल की चाबी

यूनिक समय, नई दिल्ली। ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेल 2026 की पुरुष भाला फेंक स्पर्धा में भारत के लिए यादगार पल तब आया, जब युवा एथलीट यशवीर सिंह ने अंतिम प्रयास में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम कर लिया। मुकाबले के आखिरी दौर से पहले यशवीर 81.33 मीटर के थ्रो के साथ सातवें स्थान पर थे और पदक की दौड़ से लगभग बाहर माने जा रहे थे। इसी दौरान ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा ने उन्हें एक छोटी लेकिन बेहद अहम तकनीकी सलाह दी, जिसने पूरा मुकाबला बदल दिया। नीरज ने यशवीर से कहा कि भाला फेंकते समय उसे एक सीधी लाइन में रखें और तकनीक पर पूरा ध्यान दें। यशवीर ने इस सलाह को अंतिम प्रयास में अपनाया और 85.41 मीटर का शानदार थ्रो कर कांस्य पदक जीत लिया।

दिल्ली लौटने के बाद यशवीर सिंह ने खुलासा किया कि नीरज की

सलाह उनके लिए निर्णायक साबित हुई। उन्होंने बताया कि भाले को कान के पास सही स्थिति में रखते हुए, कंधों को सीधा रखकर और हाथ की गति को एक ही लाइन में बनाए रखने से उनके थ्रो में बड़ा सुधार आया। उन्होंने कहा कि नीरज के अनुभव का उन्हें सीधा लाभ मिला और उसी का परिणाम पदक के रूप में सामने आया।

यशवीर ने यह भी बताया कि इस प्रतियोगिता में उन पर किसी तरह का अतिरिक्त दबाव नहीं था। अधिकांश लोगों की नजरें नीरज चोपड़ा, पाकिस्तान के अरशद नदीम, श्रीलंका के रूमेश पथिरागे और ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स जैसे बड़े खिलाड़ियों पर थीं। ऐसे माहौल में उन्होंने बिना तनाव के केवल अपने प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित किया और

अंतिम प्रयास से पहले नीरज चोपड़ा की सलाह ने बदली बाजी

आखिरी थ्रो में यशवीर ने जीता कांस्य

अपना सर्वश्रेष्ठ देने का प्रयास किया।

प्रतियोगिता में श्रीलंका के रूमेश थरंगा पथिरागे ने 89.75 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि नीरज चोपड़ा ने 85.83 मीटर के साथ रजत पदक हासिल किया। यशवीर सिंह के कांस्य पदक के साथ भारत ने भाला फेंक स्पर्धा में दो पदक जीतकर अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई। वहीं, पेरिस ओलंपिक 2024 के स्वर्ण पदक विजेता अरशद नदीम 77.41 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के बावजूद शीर्ष आठ में जगह नहीं बना सके और पदक की दौड़ से बाहर हो गए।

लंदन में राधिका मर्चेंट के रॉयल अंदाज ने जीता लोगों का दिल

यूनिक समय, नई दिल्ली। मुकेश अंबानी परिवार की छोटी बहू राधिका मर्चेंट एक बार फिर अपने फैशन सेंस को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बार चर्चा की वजह भारी गहने या भव्य डिजाइनर लहंगे नहीं, बल्कि लंदन की सड़कों पर नजर आया उनका बेहद सादा, लेकिन शाही अंदाज है। पति अनंत अंबानी के साथ कैजुअल आउटिंग के दौरान राधिका ने फैशन की दुनिया में तेजी से लोकप्रिय हो रहे 'क्वाइट लग्जरी' ट्रेंड को अपनाकर यह दिखा दिया कि सादगी भी रॉयल हो सकती है। उनका यह लुक सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और फैशन प्रेमियों के बीच नई चर्चा का विषय बन गया है।

इस खास मौके पर राधिका ने फ्रेंच लक्जरी फैशन ब्रांड डायर की ब्लैक एंड व्हाइट हाउंडस्टूथ प्रिंट वाली मिड-लेंथ ड्रेस पहनी। स्लीवलेस

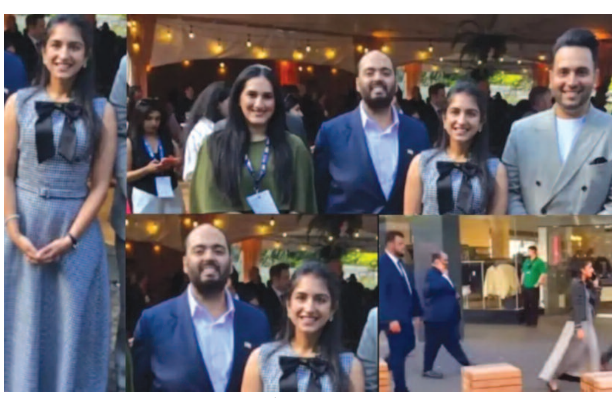

डिजाइन, कमर पर बेल्ट और नेकलाइन पर सैटिन बो के साथ यह ड्रेस बेहद क्लासी और एलिगेंट नजर आई। बिना किसी भड़कीले डिजाइन या बड़े ब्रांड लोगो के भी उनका पूरा लुक आकर्षण का केंद्र बना रहा। ड्रेस की शानदार फिटिंग और सादगी ने उनके व्यक्तित्व को और निखार दिया। राधिका ने अपने इस लुक को

बेहद सीमित एक्सेसरीज के साथ पूरा किया। उन्होंने केवल डायमंड स्टड्स, एक हल्का ब्रेसलेट और स्मार्टवॉच पहनी, जबकि पैरों में ब्लैक पॉइंटेड-टो पंप्स कैरी किए। मेकअप भी पूरी तरह नेचुरल रखा गया। हल्का ग्लो, न्यूड लिपस्टिक और सॉफ्ट आई मेकअप के साथ उन्होंने बालों को हाफ-टाई स्टाइल में खुला छोड़ा,

डायर की क्लासी ड्रेस

जिसने उनके पूरे लुक को और आकर्षक बना दिया। फैशन विशेषज्ञों के अनुसार 'क्वाइट लग्जरी' ऐसा ट्रेंड है, जिसमें महंगे लेकिन सादगीपूर्ण परिधान, बेहतरीन फैब्रिक, शानदार फिटिंग और बिना दिखावे वाली स्टाइलिंग को प्राथमिकता दी जाती है। राधिका मर्चेंट का यह लुक इसी सोच का बेहतरीन उदाहरण माना जा रहा है। सोशल मीडिया पर भी उनके इस अंदाज की खूब चर्चा हो रही है। यूजर्स का कहना है कि राधिका ने साबित कर दिया कि असली शाही अंदाज महंगे गहनों या चटक फैशन में नहीं, बल्कि सादगी, आत्मविश्वास और बेहतरीन स्टाइल चयन में छिपा होता है। उनका यह नया लुक आने वाले दिनों में फैशन की दुनिया में नया ट्रेंड सेट कर सकता है।

मैच फिक्सिंग पर आईसीसी का बड़ा प्रहार

अमेरिकी क्रिकेटर अखिलेश रेड्डी पर 8 साल का प्रतिबंध

यूनिक समय, नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए अमेरिका के क्रिकेटर बोडुगम अखिलेश रेड्डी पर आठ वर्ष का प्रतिबंध लगा दिया है। आईसीसी की भ्रष्टाचार निरोधक इकाई (एसीयू) ने रेड्डी को मैच फिक्सिंग से जुड़े तीन गंभीर मामलों में दोषी पाया। यह प्रतिबंध 21 नवंबर 2025 से प्रभावी माना जाएगा, क्योंकि इसी दिन उन्हें पहली बार अस्थायी रूप से निलंबित किया गया था। प्रतिबंध के दौरान वह किसी भी स्तर के आधिकारिक क्रिकेट में हिस्सा नहीं ले सकेंगे।

आईसीसी की जांच के अनुसार, अखिलेश रेड्डी ने वर्ष 2025 में संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित अबू धाबी टी-10 लीग के दौरान मैच के परिणाम को प्रभावित करने का प्रयास किया। उन पर आरोप है कि उन्होंने खेल को फिक्स करने की कोशिश की, एक अन्य खिलाड़ी को भी भ्रष्ट गतिविधियों में शामिल होने के लिए उकसाया तथा जांच के

दौरान अपने मोबाइल फोन से महत्वपूर्ण संदेश और डिजिटल साक्ष्य हटाकर जांच को प्रभावित करने की कोशिश की। आईसीसी ने उन्हें भ्रष्टाचार रोधी संहिता के तीन प्रावधानों के उल्लंघन का दोषी माना। इनमें मैच फिक्स करने या उसका प्रयास करना, दूसरे खिलाड़ी को फिक्सिंग के लिए प्रेरित करना तथा जांच में बाधा डालने के उद्देश्य से साक्ष्य नष्ट करना शामिल है। जांच में

पर्याप्त प्रमाण मिलने के बाद एसीयू ने कड़ी कार्रवाई करते हुए आठ वर्ष के प्रतिबंध की घोषणा की।

यह पूरा मामला अबू धाबी टी-10 प्रतियोगिता से जुड़ा है, जहां भ्रष्टाचार रोकने की जिम्मेदारी अमीरात क्रिकेट बोर्ड ने आईसीसी को सौंपी थी। जांच के दौरान सामने आए तथ्यों के आधार पर यह कार्रवाई की गई। अखिलेश रेड्डी ने अप्रैल 2025 में अमेरिका के लिए

तीन गंभीर भ्रष्टाचार रोधी नियमों के उल्लंघन में दोषी पाए गए खिलाड़ी

2025 के अबू धाबी टी-10 टूर्नामेंट से जुड़ा है मामला

चार अंतरराष्ट्रीय टी-20 मुकाबले खेले थे। वह इस वर्ष भ्रष्टाचार संबंधी मामलों में कार्रवाई झेलने वाले अमेरिका के दूसरे क्रिकेटर बने हैं। इससे पहले अमेरिकी बल्लेबाज एरॉन जोन्स पर भी भ्रष्टाचार रोधी नियमों के उल्लंघन के आरोप में प्रतिबंध लगाया जा चुका है। आईसीसी ने स्पष्ट किया है कि क्रिकेट की निष्पक्षता से समझौता करने वाले किसी भी खिलाड़ी के खिलाफ भविष्य में भी इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

'रामायण' में विभीषण के किरदार से उठा पर्दा

यूनिक समय, नई दिल्ली। नितेश तिवारी की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रामायण' को लेकर दर्शकों की उत्सुकता लगातार बढ़ती जा रही है। फिल्म की स्टारकास्ट से जुड़ी एक और बड़ी जानकारी सामने आई है। रावण के भाई और भगवान राम के परम भक्त विभीषण का किरदार अब दक्षिण भारतीय अभिनेता हरीश उथमन निभाएंगे। बताया जा रहा है कि यह भूमिका पहले अभिनेता जयदीप अहलावत को ऑफर की गई थी, लेकिन शूटिंग की तारीखें मेल नहीं खाने के कारण उन्होंने यह फिल्म छोड़ दी। विभीषण के कई अहम दृश्य रावण की भूमिका निभा रहे अभिनेता यश के साथ फिल्माए जाने थे, लेकिन दोनों कलाकारों की डेट्स क्लैश होने से जयदीप इस प्रोजेक्ट का हिस्सा नहीं बन सके। इसके बाद निर्माताओं ने हरीश उथमन को यह जिम्मेदारी सौंपी। हरीश दक्षिण भारतीय सिनेमा के चर्चित अभिनेता हैं और 'कैथी', 'विक्रम', 'तनी ओरुवन', 'श्रीमंथुडू', 'भीष्म

जयदीप अहलावत ने छोड़ा रोल तो हरीश उथमन की हुई एंट्री

पर्वम' तथा वेब सीरीज 'सुजलः द वॉर्टेक्स' जैसी फिल्मों और सीरीज में अपने दमदार अभिनय का लोहा मनवा चुके हैं। अभिनय की दुनिया में आने से पहले वह केबिन क्रू के रूप में भी काम कर चुके हैं। फिल्म के ट्रेलर में अभी तक उनकी झलक देखने को नहीं मिली है, लेकिन माना जा रहा है कि विभीषण के रूप में उनका किरदार कहानी का महत्वपूर्ण हिस्सा होगा। वहीं फिल्म में रावण के नाना सुमाली की भूमिका अभिनेता चेतन हंसराज निभाते नजर आएंगे। भव्य स्टारकास्ट और बड़े पैमाने पर तैयार हो रही 'रामायण' को लेकर दर्शकों के बीच उत्साह लगातार बढ़ता जा रहा है और अब विभीषण के किरदार का रहस्य भी लगभग खत्म हो गया है।

'प्रिंस' की हसीना ने छोड़ी मायानगरी, अब सांपों संग साधना में लीन

यूनिक समय, नई दिल्ली। साल 2010 में रिलीज हुई फिल्म 'प्रिंस' से चर्चा में आईं अभिनेत्री अरुणा शील्ड्स कभी अपनी खूबसूरती, बोल्ड अंदाज और अभिनेता विवेक ओबेरॉय के साथ शानदार स्क्रीन प्रेजेंस के कारण सुर्खियों में थीं। फिल्म के लोकप्रिय गीत 'तेरे लिए' ने उन्हें रातों-रात पहचान दिलाई, लेकिन सफलता के शिखर पर पहुंचने के बाद उन्होंने अचानक फिल्मी दुनिया से दूरी बना ली।

अब अरुणा ग्लैमर की चकाचौंध छोड़ आध्यात्मिक और मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में सक्रिय हैं।

ब्रिटेन में जन्मी और पली-बढ़ी अरुणा ने अभिनय से पहले मॉडलिंग और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी पहचान बनाई। उन्होंने बॉलीवुड के अलावा विदेशी फिल्मों में भी काम किया और अपने अभिनय व एक्शन दृश्यों के लिए सराहना हासिल की। हालांकि कुछ वर्षों बाद उन्होंने आत्मिक शांति की तलाश में फिल्म उद्योग छोड़ दिया और ध्यान, मनोविज्ञान तथा मानसिक स्वास्थ्य के

ग्लैमर से अध्यात्म तक का अनोखा सफर

अध्ययन की ओर रुख किया।

वर्तमान में अरुणा एक प्रशिक्षित साइकोथेरेपिस्ट, हिप्नोथेरेपिस्ट और माइंडफुलनेस कोच के रूप में कार्य कर रही हैं। उन्होंने मानसिक तनाव से जूझ रहे लोगों की सहायता के लिए अपनी थेरेपी पहल भी शुरू की है और देश-विदेश के लोगों को ऑनलाइन तथा ऑफलाइन मार्गदर्शन देती हैं।

अरुणा एक प्राचीन आध्यात्मिक परंपरा से भी जुड़ी हुई हैं। उनके अनुसार सांप चेतना, परिवर्तन और आंतरिक जागृति के प्रतीक हैं, इसलिए वे उनके साथ ध्यान और साधना करती हैं। सोशल मीडिया पर उनके आध्यात्मिक जीवन की तस्वीरें और वीडियो अक्सर चर्चा का विषय बनते हैं। कभी बॉलीवुड की ग्लैमरस अभिनेत्री रहीं अरुणा शील्ड्स आज आत्मिक शांति और मानसिक संतुलन का संदेश देने वाली प्रेरक शख्सियत के रूप में नई पहचान बना चुकी हैं।

राम मंदिर मुद्दे को लेकर सदन में घमासान, तीखी तकरार

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानमंडल के मानसून सत्र के पहले दिन राम मंदिर चढ़ावा विवाद को लेकर विधानसभा और विधान परिषद में तीखा राजनीतिक टकराव देखने को मिला। विधान परिषद में समाजवादी पार्टी के सदस्यों ने चढ़ावा चोरी के मुद्दे पर सरकार को घेरा, जबकि उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के जवाब के बाद सदन में जमकर नारेबाजी और हंगामा हुआ।

सपा एमएलसी आशुतोष सिन्हा ने आरोप लगाया कि राम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी के मामले में मुख्य आरोपियों को बचाया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि शिकायत में कई प्रमुख नाम शामिल नहीं किए गए और सीसीटीवी फुटेज भी हटाई गई। उन्होंने मामले की निष्पक्ष, समयबद्ध और पारदर्शी जांच कराने की मांग उठाई। सपा एमएलसी मुकुल यादव ने भी कहा कि कार्रवाई केवल छोटे कर्मचारियों तक सीमित रखी गई है। जवाब में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने विपक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि राम मंदिर का निर्माण सदियों के संघर्ष का परिणाम है। उन्होंने सपा पर बाबर से रिश्तेदारी जोड़ने और वर्ष 1990 में रामभक्तों पर गोली चलवाने का आरोप लगाया। साथ ही कहा कि अयोध्या में भव्य राम मंदिर देखकर विपक्ष बेचैन है तथा मथुरा और काशी में भी मंदिर बनकर रहेंगे। उनके बयान पर सपा सदस्य वेल में पहुंच गए और 'चंदा चोर, गद्दी छोड़' के नारे लगाने लगे। इसके जवाब में सत्ता पक्ष ने 'जय श्रीराम' के नारे लगाए,

केशव मौर्य के बयान पर सपा ने हंगामा किया

राम मंदिर चढ़ावा मुद्दे पर विपक्ष ने सरकार को घेरा

जिससे सदन का माहौल और गर्म हो गया। इससे पहले विधानसभा परिसर के बाहर सपा और कांग्रेस विधायकों ने राम मंदिर चढ़ावा विवाद तथा नीट पेपर लीक को लेकर प्रदर्शन किया। दानपेटी और पोस्टरों के जरिए सरकार के खिलाफ विरोध दर्ज कराया। उधर, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष पर दोहरे चरित्र का आरोप लगाते हुए कहा कि जनता सब देख रही है। सदन में वरिष्ठ सपा विधायक आलमबदी के निधन पर शोक प्रस्ताव पारित कर उन्हें श्रद्धांजलि भी दी गई।

फौजी से शादी करने पर बेटी की हत्या, पिता गिरफ्तार

यूनिक समय, आगरा। जैतपुर थाना क्षेत्र में ऑनर किलिंग का सनसनीखेज मामला सामने आया है। परिवार की मर्जी के खिलाफ फौजी से कोर्ट मैरिज करने पर पिता ने अपनी 24 वर्षीय बेटी की हत्या कर दी। आरोप है कि पिता ने पत्नी और बेटे के सामने बेटी को पीटा और फिर चुनरी से गला घोंट दिया। वारदात के बाद आरोपी ने पत्नी और बेटे को घर से भेज दिया, जबकि खुद शव के पास बैठा रहा। पड़ोसियों ने चीख-पुकार सुनकर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने कमरे से युवती का शव बरामद किया।

पुलिस पूछताछ में आरोपी पिता विमल शर्मा ने हत्या की बात स्वीकार कर ली। उसने बताया कि बेटी ने चार महीने पहले परिवार की इच्छा के विरुद्ध आईटीबीपी जवान अमित पचौरी से कोर्ट मैरिज कर ली थी, जिससे वह

अंकिता शर्मा, मृतक

आगरा में ऑनर किलिंग से फैली सनसनी

चुनरी से गला घोंटकर वारदात को दिया अंजाम

नाराज था। पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं। आरोपी को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। मृतका अंकिता शर्मा ने बीए तक पढ़ाई की थी। घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई है।

जनता की समस्याओं पर सीएम योगी ने दिखाई सख्ती

यूनिक समय, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को जनता दर्शन कार्यक्रम में प्रदेशभर से आए लोगों की समस्याएं सुनते हुए अधिकारियों को समयबद्ध और संतोषजनक समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनसमस्याओं के निस्तारण तथा अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई में किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जनता दर्शन के दौरान पुलिस और राजस्व विभाग से जुड़ी अनेक शिकायतें सामने आईं। मुख्यमंत्री ने आरोपियों की गिरफ्तारी में देरी, मुकदमों में दबाव और लापरवाही पर नाराजगी जताते हुए निर्देश दिया कि जिन जिलों से ऐसी शिकायतें अधिक मिल रही हैं, वहां संबंधित पुलिस कप्तानों की जवाबदेही तय की जाए।

सीएम योगी ने अधिकारियों से कहा कि प्रत्येक पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार किया जाए और बिना भेदभाव के उसकी समस्या का त्वरित समाधान किया जाए। उन्होंने पारिवारिक विवादों में पहले आपसी संवाद के माध्यम से समाधान का प्रयास करने तथा आवश्यकता पड़ने पर विधिक कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता का विश्वास बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च जिम्मेदारी है।

57 क्विंटल सिक्के बरामद एफआईआर में अटकी कार्रवाई

सीसीटीएनएस में धाराएं नहीं, दर्ज नहीं हो सकी रिपोर्ट

कालाबाजारी की आशंका में प्रशासन ने शुरू की जांच

यूनिक समय, हाथरस। सिक्कों की बड़ी खेप बरामद होने के बाद भी मामले में एफआईआर दर्ज नहीं हो सकी है। क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क सिस्टम (सीसीटीएनएस) में सिक्का अधिनियम-2011 की धाराएं उपलब्ध न होने के कारण पुलिस को तकनीकी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रशासन की टीम ने शनिवार को हनुमान गली निवासी नवीन समादिया की नयागंज स्थित दुकान और घर पर कार्रवाई कर 106 बोरों में करीब 57 क्विंटल सिक्के बरामद किए थे। बरामद सिक्कों में एक, दो और पांच रुपये के सिक्के शामिल हैं। नायब तहसीलदार की ओर से सिक्का

अधिनियम की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए तहरीर दी गई है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार तकनीकी समस्या के समाधान के लिए मुख्यालय को सूचना भेजी गई है। जल्द रिपोर्ट दर्ज होने की संभावना जताई गई है। वहीं इतनी बड़ी मात्रा में सिक्के मिलने के बाद कालाबाजारी और सिक्कों को गलाकर धातु बेचने की आशंका को लेकर जांच तेज कर दी गई है। मेटल और गलाई कारोबारियों में भी कार्रवाई को लेकर हड़कंप मचा हुआ है। प्रशासन इस बात की भी जांच कर रहा है कि इतनी बड़ी संख्या में सिक्के कहां से आए और इन्हें कहां खपाने की तैयारी थी। बैंकिंग व्यवस्था और सिक्कों की सप्लाई चेन की भी जांच की जा रही है। अधिकारियों ने नकली सिक्कों की आशंका से भी इनकार नहीं किया है।

राम मंदिर ट्रस्ट में बड़ा फेरबदल, भैयाजी जोशी हटे

यूनिक समय, अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में संगठनात्मक बदलाव का दौर जारी है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय पदाधिकारी भैयाजी जोशी को राम मंदिर के संगठन पालक की जिम्मेदारी से मुक्त कर दिया गया है। अब नए पालक की नियुक्ति को लेकर मंथन शुरू हो गया है।

चढ़ावा प्रकरण के बाद ट्रस्ट में कई स्तरों पर परिवर्तन किए जा रहे हैं। इससे पहले महासचिव चंपत राय, ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र और गोपाल राव की जिम्मेदारियों में बदलाव किया गया था।

सूत्रों के अनुसार, नए पालक के लिए संघ के एक वरिष्ठ प्रचारक के नाम पर विचार चल रहा है। हालांकि अभी

पालक पद से मुक्त हुए भैयाजी जोशी, नए नाम पर मंथन

चढ़ावा चोरी प्रकरण के बाद तेज हुए संगठनात्मक बदलाव

आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। ट्रस्ट का उद्देश्य व्यवस्थाओं को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाना बताया जा रहा है। आने वाले दिनों में अन्य जिम्मेदारियों को लेकर भी निर्णय संभव है।

राज्यपाल आनंदीबेन ने छात्रों को पढ़ाया संस्कारों का पाठ

यूनिक समय, आगरा। डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के 92वें दीक्षांत समारोह में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने छात्रों को शिक्षा के साथ संस्कारों का महत्व समझाया। उन्होंने दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शन का जिक्र करते हुए कहा कि कुछ छात्रों की गलत हरकतों से माहौल बिगड़ा। उन्होंने कहा कि वे पढ़े-लिखे थे, लेकिन उनमें संस्कारों की कमी दिखाई दी।

सोमवार को शिवाजी मंडपम में आयोजित समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल ने की। इस दौरान उन्होंने 64 मेधावी छात्रों को मेडल प्रदान किए। पश्चिम बंगाल के पारंपरिक हस्तशिल्प कलाकार अरेंदु शेखर दास को ग्रामीण उद्यमिता और हस्तशिल्प क्षेत्र में योगदान के लिए मानद उपाधि दी गई।

समारोह में कुल 79,832 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की गईं। इनमें स्नातक, परास्नातक, प्रोफेशनल कोर्स, पीएचडी और डी.लिट् के विद्यार्थी शामिल रहे। राज्यपाल ने छह विकास परियोजनाओं का

आगरा विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में सम्मानित हुए 64 टॉपर

जंतर-मंतर प्रदर्शन पर बोलीं शिक्षा संग संस्कार भी जरूरी

लोकार्पण भी किया।

उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ेंगी। शिक्षकों से अपील करते हुए कहा कि अच्छे कार्यों से डरने की जरूरत नहीं है। समाज में कुछ लोग आलोचना करते हैं, लेकिन सकारात्मक सोच के साथ राष्ट्र निर्माण में योगदान देना चाहिए।

राज्यपाल ने महिला नेतृत्व पर जोर देते हुए कहा कि महिलाओं में पूरी क्षमता है और उन्हें विश्वविद्यालयों में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी जा रही हैं। उन्होंने छात्रों और शिक्षकों से अनुशासन, संस्कार और जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ने काआह्वान किया।

सावन के पहले सोमवार पर शिवालयों में उमड़ा आस्था का जनसैलाब

यूनिक समय, लखनऊ। सावन के पहले सोमवार पर उत्तर प्रदेश के प्रमुख शिवालयों में श्रद्धालुओं का अभूतपूर्व सैलाब उमड़ पड़ा। वाराणसी, प्रयागराज, अयोध्या, कानपुर और अन्य शहरों के मंदिरों में तड़के से ही श्रद्धालु जलाभिषेक के लिए कतारों में लगे रहे। पूरे प्रदेश में "हर-हर महादेव" के जयघोष के बीच कांवड़ यात्रा पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ जारी रही। काशी विश्वनाथ धाम में लाखों श्रद्धालुओं ने बाबा के दर्शन और जलाभिषेक किए, जबकि मंदिर परिसर और आसपास सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए।

वाराणसी में मंडलायुक्त एस. राजलिंगम तथा मुस्लिम समुदाय के लोगों ने कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया। कानपुर की महापौर प्रमिला पांडेय स्वयं स्कूटी चलाकर श्री आनंदेश्वर मंदिर पहुंचीं और भगवान शिव का पूजन किया। प्रयागराज के मनकामेश्वर मंदिर सहित प्रदेश के प्रमुख शिवालयों में भी सुबह से श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। कांवड़ यात्रा के दौरान कई भावुक और प्रेरणादायक दृश्य भी सामने आए। मुजफ्फरनगर में हरिद्वार-नीलकंठ से गंगाजल लेकर लौट रही दिल्ली निवासी शिवभक्त नेहा को रास्ते में प्रसव पीड़ा हुई। उन्हें जिला महिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया, जहां उन्होंने जुड़वा बेटों को जन्म दिया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा ने दोनों नवजातों का नाम गणेश और कार्तिकेय रखा। मां और दोनों बच्चे स्वस्थ बताए गए हैं। वहीं मेरठ के 65 वर्षीय हरपाल नाथ 33 लीटर गंगाजल लेकर घुटनों के बल यात्रा कर रहे हैं। उन्होंने चार पहियों वाली कांवड़ को रस्सी से बांधकर खींचते हुए अपनी अनूठी शिवभक्ति का परिचय दिया। दूसरी ओर दिल्ली के हर्ष नोटों से

कांवड़ यात्रा संग शिवालयों में गूंजे हर-हर महादेव के जयघोष

महिला श्रद्धालु ने जुड़वां पुत्रों को दिया जन्म

सजी कांवड़ लेकर मुजफ्फरनगर पहुंचे, जो श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बनी रही।

हालांकि आस्था के इस महापर्व के बीच कुछ हादसे भी हुए। रायबरेली में कांवड़ियों से भरे ऑटो को ट्रक ने टक्कर मार दी, जिसमें एक श्रद्धालु की मौत हो गई और आठ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हरदोई में गंगा स्नान के दौरान तीन युवक नदी में बह गए, जिनमें एक को सुरक्षित बचा लिया गया, जबकि दो की तलाश जारी है। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से सावधानी बरतने की अपील की है।

नीट प्रदर्शन सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने दिखाई सख्ती

पुलिस की ज्यादती और अपराधी दोनों अदालत के निशाने पर

अदालत ने एफआईआर और कार्रवाई का मांगा पूरा ब्यौरा

यूनिक समय, नई दिल्ली। नीट पेपर लीक के विरोध में हुए छात्र प्रदर्शनों के दौरान पुलिस कार्रवाई से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि न तो पुलिस की ज्यादती बर्दाश्त की जाएगी और न ही प्रदर्शन की आड़ में हिंसा या गंभीर अपराध करने वालों को राहत मिलेगी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि कानून सभी पर समान रूप से लागू होगा।

सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि सरकार छात्रों के खिलाफ कार्रवाई नहीं चाहती और इस दिशा में आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि जिन लोगों पर हत्या या अन्य गंभीर अपराधों के आरोप हैं, उन्हें किसी प्रकार की राहत नहीं दी जा सकती। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से दिल्ली सहित विभिन्न राज्यों में दर्ज सभी एफआईआर का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत करने को कहा। अदालत ने यह भी जानना चाहा कि कितने मामलों में गंभीर आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोग शामिल हैं और किन मामलों में मुकदमे वापस लेने या क्लोजर रिपोर्ट दाखिल करने की संभावना है। सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने पुलिस बल प्रयोग, बिना वर्दी के लोगों की मौजूदगी और छात्रों के भविष्य से जुड़े मुद्दे भी उठाए। इस पर अदालत ने संकेत दिया कि पुलिस कार्रवाई की निष्पक्ष जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) या किसी सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में समिति गठित करने पर विचार किया जा सकता है। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि 'आपराधिक इतिहास' का अर्थ केवल गंभीर अपराधों से जुड़े मामलों से है। मामले की अगली सुनवाई में एफआईआर, पुलिस कार्रवाई और प्रदर्शनकारियों की पहचान से जुड़े पहलुओं पर विस्तार से विचार किया जाएगा।

सोशल मीडिया पर अभद्र भाषा मामले पर सुप्रीम कोर्ट करेगा सुनवाई

रिटायर्ड वायुसेना अधिकारी ने उठाई सख्त कार्रवाई की मांग

यूनिक समय, नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने वाले छात्रों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर एक रिटायर्ड वायुसेना अधिकारी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। याचिका में मांग की गई है कि गाली–गलौज करने वाले युवाओं को दंड के रूप में सामुदायिक सेवा करने का आदेश दिया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने मामले पर सुनवाई के लिए सहमति जताते हुए इसे बुधवार के लिए सूचीबद्ध किया है।

याचिका में 20 जुलाई को दिल्ली के जंतर–मंतर पर हुए छात्र प्रदर्शन का हवाला दिया गया है। प्रदर्शन के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हुई थी, जिसमें लाठीचार्ज, आंसू गैस और पथराव की घटनाएं सामने आई थीं। इसके बाद कुछ प्रदर्शनकारियों के सोशल मीडिया वीडियो वायरल हुए, जिनमें कथित तौर पर प्रधानमंत्री और अन्य लोगों के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया। इनमें एक नाबालिग छात्रा का वीडियो भी चर्चा में रहा। बाद में उसने सार्वजनिक रूप से माफी मांगते हुए कहा कि वह दूसरों के उकसावे में आ गई थी। प्रधानमंत्री ने भी युवाओं, विशेषकर बेटियों के लिए संयम और सही मार्गदर्शन की आवश्यकता पर बल देते हुए उन्हें माफ करने की बात कही थी। अब इस पूरे मामले में सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई और संभावित टिप्पणी पर सभी की नजरें टिकी हैं।

बंगाल में 2.40 करोड़ रुपये नकद मिलने से मचा हड़कम्प

कफ सिरप तस्करी की जांच में खुला राज

फ्लैट से बरामद हुई करोड़ों की नकदी सोना और लैपटॉप

यूनिक समय, नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के मालदा में एक बार फिर करोड़ों रुपये की नकदी बरामद होने से हड़कंप मच गया। दक्षिण दिनाजपुर और मालदा पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में ओल्ड मालदा के मंगलबाड़ी स्थित एक किराए के फ्लैट से 2.40 करोड़ रुपये से अधिक नकद, 20 ग्राम सोना और एक लैपटॉप बरामद किया गया। नकदी इतनी अधिक थी कि उसे गिनने के लिए मौके पर तीन नोट गिनने वाली मशीनें मंगानी पड़ीं।

पुलिस के अनुसार, कार्रवाई की कड़ी 5 जुलाई को दक्षिण दिनाजपुर के मेहंदीपाड़ा इलाके से प्रतिबंधित कफ सिरप की 1,500 बोतलें बरामद होने के बाद जुड़ी। उस मामले में गिरफ्तार चार आरोपियों से पूछताछ के दौरान अवैध तस्करी नेटवर्क और उसके आर्थिक लेनदेन से जुड़े महत्वपूर्ण सुराग मिले। इन्हीं जानकारियों के आधार पर पुलिस ने मंगलबाड़ी स्थित फ्लैट पर छापा मारा।

जांच में पता चला कि फ्लैट दिलीप साहा का है, जिसे पिंटू सरकार ने किराए पर लिया था। तलाशी के दौरान पुलिस ने 2 करोड़ 40 लाख 97 हजार 380 रुपये नकद, 20 ग्राम सोना और एक लैपटॉप बरामद किया। इस मामले में पिंटू सरकार, गोपाल चाकी और सुशांत हलदर को गिरफ्तार किया गया है। तीनों आरोपी मालदा क्षेत्र के निवासी बताए गए हैं। इधर, मालदा पुलिस ने एक अन्य अभियान में खैहट्टा इलाके से प्रतिबंधित कफ सिरप की 9,000 बोतलें भी जब्त की हैं। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि करोड़ों रुपये की यह रकम किन अवैध गतिविधियों से जुड़ी है और इस पूरे सिंडिकेट में कौन–कौन लोग शामिल हैं।

उल्लेखनीय है कि पिछले सप्ताह भी बीरभूम जिले में एक कारोबारी के ठिकाने से 28 करोड़ रुपये नकद और 15 किलोग्राम सोने के बिस्कुट बरामद किए गए थे। लगातार हो रही ऐसी बरामदगियों ने राज्य में सक्रिय अवैध आर्थिक नेटवर्क और तस्करी गिरोहों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बृजभूषण को कोर्ट से राहत फैसले पर जताई खुशी

बरी होने के बाद भगवान राम का किया स्मरण

यूनिक समय, नई दिल्ली। महिला पहलवानों द्वारा लगाए गए कथित यौन उत्पीड़न के मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट से बरी होने के बाद भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष और भाजपा नेता बृजभूषण शरण सिंह ने फैसले का स्वागत करते हुए इसे न्याय की जीत बताया। उन्होंने कहा कि यह उनके और उनके समर्थकों के लिए खुशी का दिन है।

कोर्ट के फैसले के बाद बृजभूषण सिंह ने कहा, "होइहि सोइ जो राम रचि राखा", यानी जो भगवान राम ने तय किया है, वही होता है। उन्होंने कहा कि शुरू से उनका विश्वास था कि यदि कोई आरोप साबित होता तो वह उसकी जिम्मेदारी स्वीकार करते, लेकिन अदालत ने उन्हें सम्मानपूर्वक बरी किया है। बृजभूषण सिंह ने अपनी कानूनी टीम का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह अदालत का विस्तृत आदेश पढ़ने के बाद ही मामले पर विस्तार से टिप्पणी करेंगे।

उन्होंने कहा कि उन्होंने हमेशा कमजोर लोगों के अधिकारों की लड़ाई लड़ी है और उन्हें न्याय व्यवस्था पर पूरा भरोसा था। उन्होंने यह भी कहा कि वह किसी के लिए कटु शब्द नहीं कहेंगे, लेकिन समय सब कुछ स्पष्ट कर देता है। वहीं, उनके बेटे कर्ण भूषण ने फैसले पर खुशी जताते हुए कहा कि न्यायालय के निर्णय से न्याय हुआ है और इस अवसर का जश्न मनाया जाएगा।

संसद में लगातार हंगामे से ठप रही दोनों सदनों की कार्यवाही

लोकसभा कल तक स्थगित, राज्यसभा में कामकाज फिर शुरू

यूनिक समय, नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के 11वें दिन सोमवार को भी लोकसभा और राज्यसभा में जोरदार हंगामे के कारण सामान्य कामकाज प्रभावित रहा। विपक्ष ने राम मंदिर चढ़ावा विवाद, नीट पेपर लीक विरोध प्रदर्शन पर पुलिस कार्रवाई और सांसद पप्पू यादव पर हुए हमले का मुद्दा उठाया। लगातार विरोध के चलते प्रश्नकाल 11वें दिन भी नहीं चल सका।

हंगामे के बीच लोकसभा की कार्यवाही पहले दोपहर 12 बजे, फिर दो बजे तक स्थगित की गई और बाद में पूरे दिन के लिए कल तक टाल दी गई। वहीं राज्यसभा की कार्यवाही दोपहर बाद दोबारा शुरू हुई। इस दौरान विपक्षी दलों के नेताओं ने आगे की रणनीति तय करने के लिए बैठक भी की। सरकार ने संकेत दिए कि वह लोकसभा में विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) संशोधन विधेयक पेश कर सकती है। सरकार का कहना है कि इससे विदेशी फंड प्राप्त करने वाले गैर–सरकारी संगठनों की जवाबदेही और पारदर्शिता बढ़ेगी, जबकि विपक्ष ने आरोप लगाया कि सरकार इस कानून के जरिए संस्थाओं पर नियंत्रण बढ़ाना चाहती है। संसद में गतिरोध समाप्त करने के प्रयास जारी हैं।

पीटी परीक्षा रद्द कराने के लिए छात्र नेता बैठे भूख हड़ताल पर

14वीं परीक्षा परिणाम पर छात्रों ने उठाए सवाल

निष्पक्ष जांच होने तक आंदोलन जारी रखने का ऐलान

यूनिक समय, नई दिल्ली। झारखंड लोक सेवा आयोग की 14वीं संयुक्त सिविल सेवा प्रारंभिक (पीटी) परीक्षा को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो सोमवार से रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठ गए। उन्होंने परीक्षा में कथित अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए 14वीं पीटी परीक्षा रद्द करने और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

देवेंद्र नाथ महतो ने बताया कि परीक्षा परिणाम जारी होने के बाद से छात्र लगातार विरोध कर रहे हैं। उनके अनुसार, 5 जुलाई से आंदोलन शुरू हुआ, 7 जुलाई को राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा गया, 8 जुलाई को पुतला दहन किया गया और 20 जुलाई को मुख्यमंत्री को कथित गड़बड़ियों से जुड़े दस्तावेज दिए गए। उनका दावा है कि इसके बाद जांच शुरू हुई और कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आए, लेकिन अब तक छात्रों की मुख्य मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लिया गया।

महतो ने कहा कि आंदोलन के दौरान सत्याग्रह, संविधान मार्च और अन्य लोकतांत्रिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, लेकिन सरकार और आयोग का रवैया छात्रों का मनोबल तोड़ने वाला है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक 14वीं पीटी परीक्षा रद्द नहीं की जाती और टीडीपीएल एजेंसी द्वारा आयोजित सभी परीक्षाओं की निष्पक्ष जांच नहीं होती, तब तक उनकी भूख हड़ताल जारी रहेगी। उल्लेखनीय है कि 14वीं संयुक्त सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा झारखंड सरकार के विभिन्न ग्रुप–ए और ग्रुप–बी राजपत्रित पदों पर भर्ती के लिए आयोजित की जाती है। अब छात्र संगठनों के आंदोलन ने इस परीक्षा को लेकर राज्य की राजनीति और प्रशासन दोनों के सामने नई चुनौती खड़ी कर दी है।

उपचुनाव परिणामों ने बदल दिए सियासत के नए समीकरण

बांकीपुर में प्रशांत किशोर की बढ़त लगातार मजबूत

दतिया में कांग्रेस आगे मंजलपुर में भाजपा मजबूत

यूनिक समय, नई दिल्ली। बिहार, मध्य प्रदेश और गुजरात की तीन विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनावों की मतगणना अंतिम चरण में पहुंच गई है। शुरुआती रुझानों के बाद अब तस्वीर काफी हद तक साफ होती नजर आ रही है। बिहार की सबसे चर्चित बांकीपुर सीट पर जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने भाजपा उम्मीदवार नीरज कुमार पर मजबूत बढ़त बना ली है। यह सीट भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की पारंपरिक सीट मानी जाती है, जो उनके राज्यसभा सदस्य बनने के बाद रिक्त हुई थी।

17वें राउंड की मतगणना तक प्रशांत किशोर को 33,538 वोट मिले, जबकि भाजपा के नीरज कुमार 23,957 वोट के साथ करीब 9,581 मतों से पीछे रहे। इससे पहले 15वें राउंड तक भी प्रशांत किशोर 8,202 वोटों से आगे थे। लगातार बढ़त मिलने पर पटना स्थित जन सुराज कार्यालय में समर्थकों ने अबीर–गुलाल उड़ाकर जश्न मनाना शुरू कर दिया, जबकि भाजपा कार्यालय पर सन्नाटा दिखाई दिया।

मध्य प्रदेश की दतिया विधानसभा सीट पर मुकाबला रोचक बना हुआ है। शुरुआती दौर में भाजपा आगे थी, लेकिन आठवें राउंड के बाद कांग्रेस उम्मीदवार घनश्याम सिंह ने बढ़त बना ली। उन्हें 38,264 वोट मिले, जबकि भाजपा के आशुतोष तिवारी को 31,681 वोट प्राप्त हुए। कांग्रेस उम्मीदवार लगभग 6,583 मतों से आगे चल रहे हैं। इस सीट पर भाजपा ने पूर्व मंत्री नरोत्तम मिश्रा का टिकट काटकर आशुतोष तिवारी को उम्मीदवार बनाया था।

वहीं गुजरात की मंजलपुर सीट पर भाजपा ने मजबूत प्रदर्शन किया है। भाजपा प्रत्याशी सतीश पटेल को 49,791 वोट मिले, जबकि कांग्रेस के भिखाभाई रबारी को 22,275 वोट प्राप्त हुए। 19 में से अधिकांश राउंड पूरे होने के बाद भाजपा उम्मीदवार करीब 27,516 मतों की निर्णायक बढ़त के साथ जीत की ओर बढ़ते दिखाई दिए। तीनों राज्यों के उपचुनाव परिणामों को आगामी विधानसभा और राष्ट्रीय राजनीति के लिए महत्वपूर्ण संकेत माना जा रहा है।

मंहगाई, खाद, बिजली, भ्रष्टाचार, चढ़ावा चोरी जैसे उठाए मुद्दे

कांग्रेस ने किया महावन तहसील पर हल्ला बोल

यूनिक समय,मथुरा। प्रदेश में बढ़ती मंहगाई, भ्रष्टाचार,चढ़ावा चोरी और किसानों की खाद समस्या, विद्युत उपभोक्ताओं के साथ स्मार्ट मीटर के नाम पर लूट जैसी समस्याओं को लेकर कांग्रेस के जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में किसान- कार्यकर्ताओं द्वारा महावन तहसील पर प्रदर्शन किया गया।

जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर के नेतृत्व में कांग्रेस पदाधिकारी- कार्यकर्ता महावन स्थित पशु पेंठ पर एकत्रित हुए, वहां से पैदल मार्च कर तहसील पर हल्ला बोल प्रदर्शन किया गया।

जिलाध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश में मंहगाई चरम सीमा पर है, रोजमर्रा की वस्तुएं मंहगी होने से आम आदमी पर

महावन तहसील पर हल्ला बोल कार्यक्रम में प्रदर्शन करते कांग्रेसीजन।

आर्थिक बोझ बढ़ रहा है ।गरीब मजदूर व मध्यम वर्गीय परिवारों का जनजीवन अस्त–व्यस्त हो गया है। सरकारी विभागों में भ्रष्टाचार खुले आम हो रहा है । खेतों में खरीफ की फसल की बुवाई व रोपाई का काम चल रहा है, किसानों को यूरिया- डीएपी के लिए लंबी लाइन लगानी पड़ रही है इस पर भी खाद नहीं मिल रही है।

पूर्व महानगर कांग्रेस अध्यक्ष विक्रम बाल्मीकि ने कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर बर्बरता के लिए सरकार के प्रधानमंत्री, गृहमंत्री जिम्मेदार हैं, सरकार को बताना होगा छात्रों पर बर्बरतापूर्ण लाठीचार्ज पैलेट गन चलाने का अधिकार किसने दिया। संचालन ब्लॉक अध्यक्ष पंकज चौधरी ने किया। कार्यक्रम में बलवीर प्रधान, हाकिम सिंह छोकर, शैलेंद्र चौधरी, टिंकू धनगर, राजा गौतम, राजकुमार तिवारी, राजेश सारस्वत, दीपक आर्य, मनोज गौड़, अप्रतिम सक्सैना, पुष्पेंद्र चौधरी, पीर मोहमद, विपुल पाठक, हारुन आदि मौजूद रहे।

फैशन एंड टैलेंट शो में बिखरे भारतीय संस्कृति के रंग

दीप प्रज्जवलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ करतीं चीनु जैन

यूनिक समय, मथुरा। सोमवार को स्थानीय स्तर पर कला और प्रतिभा को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से 'आदिरेंज प्रोडक्शन' द्वारा आयोजित 'फैशन एंड टैलेंट शो 2026 (सीजन–3)' का भव्य आयोजन हुआ। कार्यक्रम में शहर और आसपास के क्षेत्रों से आए प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा,आत्मविश्वास और आकर्षक व्यक्तित्व का प्रदर्शन कर दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं।

कार्यक्रम में किड्स, टीनेज, मिस, मिसेज सावन, ब्राइडल और रिलेशन श्रेणी के तहत प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। भारतीय संस्कृति और परंपरा पर आधारित राउंड्स शो की मुख्य विशेषता इसका सांस्कृतिक स्वरूप रहा। प्रतियोगिता के सभी राउंड भारतीय परंपराओं, परिधानों और लोक–संस्कृति पर आधारित थे। प्रतिभागियों ने पारंपरिक वेशभूषा में रैंप वॉक कर भारतीय धरोहर की सुंदर झलक पेश की। जूरी और निर्णायक मंडल ने प्रस्तुतियों का गहन मूल्यांकन करने के बाद विजेताओं की घोषणा की गई। मिस कैटेगरी में सौम्या गौर (प्रथम),किड्स कैटेगरी में उर्वशी विजेता, टीनेजर कैटेगरी में काना विजेता, मिसेज कैटेगरी और 'बेस्ट सावन प्रेजेंटेशन' अवार्ड में ललिता, टाक ब्राइडल क्वीन में खुशी , रिलेशन कैटेगरी में नंदिनी और जानवी को मुख्य अतिथियों द्वारा ट्रॉफी और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। सभी प्रतिभागियों को 'एप्रिसिएशन सर्टिफिकेट' और स्मृति चिन्ह दिए गए। कार्यक्रम में चीनु जैन, आयुषी जैन, केशवी, क्षमता यादव, अर्चना अग्रवाल, रिचा अग्रवाल, श्वेता बंसल,आकांक्षा सहित कई गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। संचालन एंकर अपूर्वा शर्मा ने किया। आयोजन सीईओ आदित्य सिंह, आयोजिका नम्रता सिंह के नेतृत्व और देखरेख में हुआ।

बिजली उपभोक्ताओं की समस्याओं को लेकर चौमुंहा उपकेंद्र पर लगा शिविर

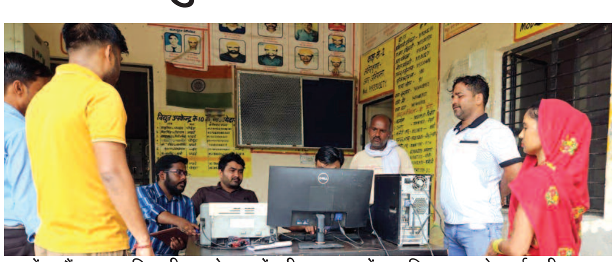
उपकेंद्र चौंमुहा पर बिजली उपभोक्ताओं की समस्याओं का निदान करते कर्मचारी।

यूनिक समय,चौमुंहा। उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड के मुख्यालय के निर्देश पर एक से 31 अगस्त तक लग रहा रहा उपभोक्ता सेवा शिविर अभियान के तहत सोमवार को चौमुंहा विद्युत उपकेंद्र पर उपभोक्ताओं की समस्याओं के समाधान के लिए विशेष शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 16 उपभोक्ता समस्याओं को लेकर आए। जिसमें नौ बिल संबंधी, तीन मोबाइल नंबर अपडेट और चार अन्य शिकायतें शामिल रहीं। सभी शिकायतों का मौके पर हीं निस्तारण किया गया। वहीं शिविर में 1.42 लाख रुपये का राजस्व भी जमा कराया गया। संचालन कर रहे नोडल अधिकारी अधीक्षण अभियंता सत्य प्रकाश पांडे और अधिशासी अभियंता कोसी सुरेंद्र पाल सिंह के कहा कि उपभोक्ताओं को कोई भी परेशानी नहीं आने दी जाएगी। उपखंड अधिकारी सर्वज्ञ श्रीवास्तव ने बताया कि यह अभियान पूरे अगस्त माह तक चलाया जाएगा। शिविर में अश्वनी कुमार अवर अभियंता, प्रमोद,गुलशेर खान, डब्बू सोनी, रवि, मनीष सोनी,संजय आदि मौजूद रहे।

बीसीए में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने पर गरिमा को मिला स्वर्ण पदक

यूनिक समय, मथुरा। डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा के आवासीय इकाइयों और संबद्ध महाविद्यालयों में संचालित बीसीए पाठ्यक्रम की वर्ष 2026 की परीक्षा में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने पर गरिमा अग्रवाल को सुमन गुप्ता स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल द्वारा उन्हें यह प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान किया गया। गरिमा अग्रवाल की इस उपलब्धि से मांट क्षेत्र में खुशी का माहौल है। वह रोडवेज के क्षेत्रीय प्रबंधक ब्रह्म प्रकाश अग्रवाल की भतीजी हैं। उनकी इस सफलता पर परिवार, रिश्तेदारों, मित्रों और शुभचिंतकों ने उन्हें मिठाई खिलाकर और फोन के माध्यम से शुभकामनाएं और बधाई दी। परिजनों ने बताया कि गरिमा ने अपनी मेहनत, लगन और अनुशासन

दीक्षांत समारोह में सुमन गुप्ता स्वर्ण पदक से सम्मानित गरिमा अग्रवाल।

के बल पर यह उपलब्धि हासिल की है। उनकी सफलता से क्षेत्र के अन्य छात्र–छात्राओं को भी उच्च शिक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलेगी।

दशमोत्तर छात्रवृत्ति के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू

यूनिक समय, मथुरा। वित्तीय वर्ष 2026–27 की दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजनाओं के तहत आवेदन प्रक्रिया का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। जिला समाज कल्याण अधिकारी रेनू ने बताया कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों के लिए संचालित योजनाओं के अंतर्गत उच्च शिक्षण संस्थानों को निर्धारित समय–सारणी के अनुसार ऑनलाइन प्रक्रिया पूरी करनी होगी। उन्होंने बताया कि शिक्षण संस्थान 22 जुलाई से 15 अगस्त तक मास्टर डाटाबेस में शामिल होने के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। विश्वविद्यालय और एफिलियेटिंग एजेंसी द्वारा फीस और अन्य विवरणों का सत्यापन 22 जुलाई से 30 अगस्त तक किया जाएगा, जबकि जिला समाज कल्याण अधिकारी स्तर पर सत्यापन 25 जुलाई से 14 सितंबर तक होगा। छात्रवृत्ति के लिए नवीनीकरण श्रेणी के छात्र–छात्राएं 15 सितंबर से 15 अक्टूबर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। वहीं नवीन विद्यार्थियों के लिए आवेदन की अवधि 15 सितंबर से 31 अक्टूबर निर्धारित की गई है। जिला समाज कल्याण अधिकारी ने जनपद के सभी उच्च शिक्षण संस्थानों से अपील की है कि वे कक्षा 11–12 को छोड़कर दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजनाओं के अंतर्गत अध्ययनरत विद्यार्थियों को निर्धारित समय–सारणी की जानकारी दें और समय रहते ऑनलाइन आवेदन कराने में सहयोग करें, ताकि पात्र विद्यार्थी छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना का लाभ प्राप्त कर सकें।

सब्जी मंडी में अतिक्रमण के कारण रहता है जाम

यूनिक समय,कोसीकलां। थाना रोड स्थित सब्जी मंडी में अवैध अतिक्रमण के कारण आम जनता को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। सड़क के दोनों ओर ठेले लगे हैं। दुकानें खाली पड़ी हैं, लेकिन दुकानदार और ठेला वाले अपनी सब्जी सीधे फुटपाथ और सड़क पर ही सजा रहे हैं।

सबसे हैरानी की बात ये है कि यह सब्जी मंडी थाने के बिल्कुल नजदीक है। पुलिस का यहां से दिनभर आना–जाना लगा रहता है, बावजूद इसके अतिक्रमण और हर समय लगने वाले जाम पर किसी का ध्यान नहीं जा रहा। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सब्जी–फल सड़क पर बेचे जा रहे हैं। शाम को भीड़ बढ़ते ही ई–रिक्शा, बाइक और पैदल लोगों का निकलना मुश्किल हो जाता है। लोगों का कहना है कि थाना के पास होने के बावजूद प्रशासन और पुलिस अतिक्रमण हटाने में रुचि नहीं ले रही। लोगों ने मांग की है कि प्रशासन तुरंत अतिक्रमण को हटवाकर सब्जी विक्रेताओं के लिए वैकल्पिक स्थान तय करे, ताकि जाम और अव्यवस्था से लोगों को राहत मिल सके।

फूल बंगले में विराजमान बाबा लालदास की गूंजी जय–जयकार

छप्पन भोग की झांकी के भी हुए दर्शन

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर में मेवात के महान संत बाबा लालदास का 486वां जन्मोत्सव श्रद्धा और भक्तिभाव से मनाया गया।

रामलीला मैदान के समीप बाबा लालदास मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। मंदिर परिसर को आकर्षक फूलों से सजाया गया और बाबा को दिव्य फूल बंगले में विराजमान कर भक्तों को दर्शन कराए गए। बाबा लालदास के दर्शन करते ही श्रद्धालुओं के जय–जयकार से पूरा मंदिर परिसर गुंजायमान हो गया। भक्तों ने पुष्पवर्षा कर बाबा की आरती उतारी और उनके चरणों में श्रद्धासुमन अर्पित किए। मां वैष्णो ग्रुप कोसी कलां द्वारा भजन संध्या का आयोजन किया गया। भक्ति गीतों, भजनों और जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा। भजन गायक राहुल सक्सेना के भजनों को सुन भक्त झूमने को मजबूर हो गए। कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन–यज्ञ, पूजन–अर्चन से हुई। मंदिर में सजाई गई छप्पन भोग की भव्य झांकी श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रही। समापन पर भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें साधु–संतों, अनुयायियों और नगर के नागरिकों सहित सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर निखिल गुप्ता, भगवत रुहेला, राजू पंडित, हरिओम गुप्ता, सौरभ बिछोरिया, मदन गोपाल अनंत, श्रीमोहन, दीपक अनंत, छोटू वर्मा, किरोड़ी अग्रवाल, रामकिशन फलैनिया आदि ने भाग लिया।

12 .79 लाख बच्चों को खिलाई जाएगी एल्बेंडाजोल की दवा

14 अगस्त को होगा मॉप–अप राउंड, छूटे हुए बच्चों को भी मिलेगी कृमिनाशक गोली

यूनिक समय, मथुरा। जनपद में राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत 10 अगस्त को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस मनेगा। अभियान के अंतर्गत एक से 19 वर्ष तक की आयु के करीब 12.79 लाख बच्चों और किशोर–किशोरियों को पेट के कीड़ों से बचाव के लिए एल्बेंडाजोल की गोली खिलाई जाएगी। अभियान में जो बच्चे किसी कारणवश दवा नहीं खा पाएंगे, उन्हें 14 अगस्त को आयोजित मॉप–अप राउंड में दवा दी जाएगी।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राधा बल्लभ ने बताया कि एक से पांच वर्ष तक के बच्चों को आंगनबाड़ी केंद्रों पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के माध्यम से दवा खिलाई जाएगी। वहीं छह से 19 वर्ष तक के स्कूल जाने वाले बच्चों को स्वास्थ्य विभाग की टीम शिक्षकों की मौजूदगी में एल्बेंडाजोल की गोली खिलाएगी। राष्ट्रीय कृमि मुक्ति अभियान के नोडल अधिकारी डॉ. संजीव कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत वर्ष में दो बार कृमिनाशक दवा खिलाई जाती है। पेट में कीड़े होने से बच्चों के शरीर का पोषण प्रभावित होता है, जिससे एनीमिया, कुपोषण और मानसिक-शारीरिक विकास में बाधा आ सकती है। समय पर दवा खिलाने से इन समस्याओं से बचाव संभव है। जिला कम्युनिटी प्रक्रिया प्रबंधक पारुल शर्मा ने बताया कि आंगनबाड़ी केंद्रों पर पंजीकृत एक से पांच वर्ष तक के बच्चों, छह से 19 वर्ष तक के स्कूल नहीं जाने वाले बच्चों, घूमंतू परिवारों के बच्चों तथा ईंट–भट्ठों पर काम करने वाले श्रमिकों के बच्चों को आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के माध्यम से दवा दी जाएगी।

वहीं स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को शिक्षकों के सहयोग से और किशोर गृह (जुवेनाइल होम) में रह रहे बच्चों को प्रभारी अधीक्षक के माध्यम से एल्बेंडाजोल की गोली खिलाई जाएगी। उन्होंने बताया कि दो वर्ष तक के बच्चों को आधी गोली पीसकर दी जाएगी, जबकि दो से 19 वर्ष तक के बच्चों और किशोर–किशोरियों को पूरी गोली चबाकर खिलाई जाएगी।